Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 10 अंक: 338 जयपुर, गुरुवार, 09 मई 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ` 1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X9 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

प्रियंका बोलीं- मां ने राहुल को आपके पास भेजा

मोदी के भाषण का जिक्र कर कहा- राहुल तो रोज अडाणी की बात करते हैं

संजीवनी टुडे

रायबरेली। प्रियंका गांधी ने रायबरेली में भाई राहुल को जिताने के लिए कमान संभाल ली है। बुधवार को उन्होंने बछरावां में रैली को संबोधित किया। कहा- हमारी मां ने राहुल गांधी को आपके पास भेजा है। अब रायबरेली को 2 सांसद मिलने वाले हैं। राहुल को जिताइए, वो तो आपके सांसद होंगे ही। मैं भी यहां के लिए काम करूंगी। मैं आपके साथ रहूंगी। प्रियंका ने पीएम मोदी के भाषण का भी जिक्र किया। कहा-आज नरेंद्र मोदी ने कहा- राहुल अणानी का नाम नहीं ले रहे हैं। सच्चाई ये है- राहुल हर दिन अडाणी की बात करते हैं, वे रोज अडाणी की सच्चाई आपके सामने रखते हैं, उसका खुलासा करते हैं। राहुल आपको रोज बताते हैं कि नरेंद्र मोदी की बड़े-बड़े उद्योगपतियों के साथ सांठ-गांठ है। आप लोग जागरूक हैं। इंदिरा जी के समय में आप लोगों को कुछ काम अच्छा नहीं लगा, आपने उन्हें हराया। क्योंकि आप जागरूक हैं। आपने सोचा कि इंदिरा जी की नीति गलत है। आपने उन्हें चुनाव हरा दिया। वह बुरा नहीं मानीं, उन्होंने अपनी गलती सुधारी और फिर से यहां से चुनाव लड़ीं। आपने उन्हें फिर से जिता दिया। मोदी सरकार देश के बड़े-बड़े खरबपतियों को देश की सारी संपत्ति सौंप रही है। टीवी पर जो दिखाया जा रहा है, वो देश की सच्चाई नहीं है। असलियत ये है कि नरेंद्र मोदी खरबपतियों की सरकार चला रहे हैं।

न्यूनतम मजदूरी होनी चाहिए, पेंशन स्कीम खत्म कर दी

प्रियंका ने कहा- न्यूनतम मजदूरी होनी चाहिए। पेंशन स्कीम खत्म कर दी। पहले मैं देखती थी कि सुबह-सुबह युवा दौड़ लगाते थे। वर्जिस करते थे। सेना में जाने के लिए उनमें उत्साह दिखाई देता था, लेकिन अब नहीं दिखाई देता। क्योंकि मोदी ने 4 साल की अग्निवीर योजना ला दी। 4 साल के लिए कौन नौकरी करेगा मोदी सरकार ने सिर्फ अरबपतियों को फायदा पहुंचाया है। उनका लोन माफ कर दिया। यह पैसा मोदी का नहीं था। यह आम आदमी का पैसा था। कांग्रेस ने जहां-जहां सरकार बनाई, इस तरह की समस्याओं को दूर किया।

राहुल के खिलाफ पूरी मशीनरी उतार दी, मगर वो डटे हैं

प्रियंका ने कहा- राहुल ने हमारे देश की आजादी के उसूलों को याद दिलाने वाली यात्रा की। हमारे देश में बेरोजगारी और महंगाई सबसे बड़ा मुद्दा है। आज घर में कोई त्योहार हो या कोई भी काम हो। जब खर्चा करना पड़ता है, तब हमें समझ में आता है कि कितनी महंगाई बढ़ गई है। मोदी के राज में महंगाई बढ़ी है। आपको मालूम होगा कि राहुल ने कितना संघर्ष किया, लेकिन उनके खिलाफ भाजपा ने पूरी मशीनरी उतार दी। उनके खिलाफ तरह-तरह की बातें की गईं। राहुल जहां अन्याय होता देखते हैं, वह डटकर खड़े होते हैं। उन्होंने कन्याकुमारी से लेकर देशभर में 4 हजार किमी. की यात्रा की। मणिपुर से लेकर मुंबई तक राहुल ने यात्रा की। ये यात्राएं आपकी समस्याओं को समझने वाली थी। ये यात्रा यह बताने वाली थी कि देश की राजनीति की दिशा गलत है, इसे बदलना है। और देश की गरीब जनता को उन्होंने नकार दिया है। यह आपकी समझ है। आप नेताओं को समझते हैं।

आज देश के नेताओं की सोच अलग

आज देश के नेताओं की सोच अलग हो चुकी है। नेताओं को पता है कि रोजगार देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्हें पता है कि आपकी किसानी से कमाई बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि ये सोचते हैं कि चुनाव के समय आएंगे। धर्म की बात करेंगे, उससे आपके जज्बात बदल जाएंगे। आपको लगेगा कि आपका धर्म संकट में है। पिछले चुनाव में अमेठी में शपथ दिलवा दी कि धर्म के नाम पर वोट देंगे। प्रियंका ने कहा- इन्होंने मीडिया को खरीद लिया है। भाजपा के उम्मीदवार जगह-जगह जाकर कहते हैं कि हमें वोट देंगे, तो संविधान बदल देंगे। ये लोग अब संविधान को बदलने की बात कर रहे हैं। अब जब मोदी जी को लगा कि बात उलटी हो रही है, तब वह अपना बयान बदलने लगे। रायबरेली का इतिहास बहुत बड़ा रहा है। हमारा रिश्ता 103 साल पुराना है। उस वक्त जनता ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रही थी। तब मोतिलाल नेहरू ने जवाहर लाल नेहरूजी को यहां भेजा था। उन्होंने आपके आंदोलन में साथ दिया। आपको गर्व होना चाहिए कि आप लोग जागरूक हैं। इंदिरा जी के समय में आप लोगों को कुछ काम अच्छा नहीं लगा, आपने उन्हें हराया। क्योंकि आप जागरूक हैं। आपने सोचा कि इंदिरा जी की नीति गलत है। आपने उन्हें चुनाव हरा दिया। वह बुरा नहीं मानीं, उन्होंने अपनी गलती सुधारी और फिर से यहां से चुनाव लड़ीं। आपने उन्हें फिर से जिता दिया।

सैम पित्रोदा का ओवरसीज कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा

कहा था- भारत में ईस्ट वाले चीनी, साउथ वाले अफ्रीकन दिखते हैं; कांग्रेस ने किनारा किया

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच विवादित बयानबाजी को लेकर घिरे कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से बुधवार को इस्तीफा दे दिया। इसकी जानकारी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने दी। उन्होंने ड्ड पर लिखा- पित्रोदा ने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया गया। दरअसल, सुबह पित्रोदा का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वे कह रहे हैं कि भारत में ईस्ट के लोग चाइनीज और साउथ वाले अफ्रीकन दिखते हैं। ये बयान सामने आने के कुछ ही देर बाद कांग्रेस ने इससे किनारा कर लिया। कांग्रेस ने कहा कि भारत की विविधता की ये परिभाषा मंजूर नहीं है। यह गलत है। इससे पहले पित्रोदा ने विरासत टैक्स का मुद्दा उठाया था, जिससे राहुल ने किनारा कर लिया था। सैम पित्रोदा ने अंग्रेजी अखबार द स्टेट्समैन को दिए एक इंटरव्यू में विविधता पर बयान दिया। उन्होंने कहा, 'हम 75 साल बहुत खुशहाल माहौल में रहे हैं। लोग इधर-उधर के झगड़ों को छोड़कर एक साथ रहते थे। हम भारत जैसे विविधता वाले देश को एक साथ रख सकते हैं। यहां हम सभी भाई-बहन हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा- हम सभी अलग-अलग भाषाओं, धर्मों, रीति-रिवाजों और खाने

का सम्मान करते हैं। यही वह भारत है जिसमें मैं विश्वास करता हूं, जहां हर किसी के लिए एक जगह है। यहां हर कोई एक-दूसरे के लिए थोड़ा-बहुत समझौता करता है।'पित्रोदा का यह बयान सुबह जब बयान सामने आया, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के वारंगल में सभा कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा, 'शहजादे के फिलॉसफर ने चमड़ी के आधार पर देशवासियों का अपमान किया। गाली दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज मैं बहुत गुस्से में हूं। लोग मुझे गाली दें तो मैं गाली सह लेता हूं; लेकिन शहजादे के फिलॉसफर ने इतनी बड़ी गाली दी है कि मेरे मन में गुस्सा भर गया है। मोदी ने कहा, 'क्या मेरे देश में चमड़ी का रंग देखकर लोगों की योग्यता तय होगी। चमड़ी के रंग का खेल खेलने का हक शहजादे को किसने दिया है। संविधान सर पर लेकर नाचने वाले लोग मेरे देश का अपमान कर रहे हैं।'

एमपी-राजस्थान में तीन दिन हीटवेव का अलर्ट

दिल्ली में तापमान 42 डिग्री पहुंचा; छत्तीसगढ़-झारखंड में बारिश, बिहार में बिजली गिरने से दो मौतें

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। राजस्थान और मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। भारतीय मौसम विभाग ने दोनों राज्यों में आज से अगले दो दिन यानी 10 मई तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार (7 मई) को राजस्थान के 9 और ख्रघ्के 3 शहरों में तापमान 43 डिग्री या उससे ज्यादा दर्ज किया गया। राजस्थान का बाड़मेर और ख्रघ का दामोह देश के सबसे गर्म शहर रहे। यहां का तापमान क्रमशः 45.2 और 44.8 दर्ज किया गया। 10 और 11 मई को वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने से दोनों राज्यों में आंधी और बारिश की संभावना है। इससे लू से राहत मिलेगी। 12 मई तक हीटवेव से राहत की उम्मीद है। दिल्ली में मंगलवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। यहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री दर्ज किया गया। 11 और 12 मई को हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों में 13 मई तक गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। दूसरी तरफ, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड में मौसम ने करवट ली है। तीनों राज्यों में बारिश ने चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई है। छत्तीसगढ़ में आज और कल बारिश के आसार हैं। झारखंड में 10 मई तक बूंदाबांदी होगी। मौसम विभाग ने बिहार के सभी जिलों में आज खराब मौसम का यलो अलर्ट जारी किया है। कई जिलों में बारिश,

गरज और आकाशीय बिजली के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। मंगलवार को बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हुई थी।

10 मई - 4 राज्यों में धूल भरी आंधी चलने की संभावना

पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में भारी बारिश हो सकती है। दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। उत्तराखंड, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना और पूर्वोत्तर के राज्यों में बिजली गिरने और तेज हवाओं की आशंका है।

तेलंगाना में बारिश के कारण 13 लोगों की मौत

तेलंगाना के कुछ हिस्सों में मंगलवार रात बेमौसम बारिश के बाद अलग-अलग घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई। हैदराबाद में एक अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग की दीवार गिरने से एक महिला और एक बच्चे सहित सात लोगों की मौत हो गई। दो लोगों के शव नाले मिले। पुलिस के मुताबिक, भारी बारिश के दौरान दोनों गलती से नाले में गिर गए होंगे। पश्चिम बंगाल समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में गरज चमक के साथ बारिश और तेज हवा चलने का अनुमान है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के हिस्सों में धूल भरी आंधी चल सकती है।

हरियाणा सीएम को दुष्यंत चौटाला का चैलेंज

नायब सैनी बहुमत साबित करें या इस्तीफा दें, भूपेंद्र हुड्डा को सरकार गिराने की चुनौती

संजीवनी टुडे

चंडीगढ़। हरियाणा में लोकसभा चुनाव के बीच 3 निर्दलीय विधायकों ने एख्र नायब सैनी की अगुआई वाली उख्र सरकार से समर्थन वापस ले लिया। इनमें पुंडरी से विधायक रणधीर गोलन, नीलोखेड़ी से धर्मपाल गोंदर और चरखी दादरी से विधायक सोमवीर सांगवान शामिल हैं। मार्च में भाजपा-जजपा गठबंधन टूटने के बाद भाजपा ने इन निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार बनाई थी। इन्होंने पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान की मौजूदगी में कांग्रेस का समर्थन कर दिया। इसके बाद हरियाणा में सियासी घमासान मच गया है। विपक्षी दलों ने एख्र नायब सैनी को इस्तीफा देने को कहा है। वहीं सीएम सैनी और पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि सरकार को कोई खतरा नहीं है। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने यह तक कहा कि कांग्रेस अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए। नायब सैनी नैतिकता के आधार पर बहुमत साबित करें या फिर इस्तीफा दें। चैलेंज दिए जाने पर भूपेंद्र हुड्डा ने दुष्यंत को कहा कि वे कांग्रेस को समर्थन की चिट्ठी राज्यपाल को दें या भाजपा की बी-टीम बनकर काम न करें।

खट्टर बोले- कौन किधर आता-जाता है, फर्क नहीं पड़ता

हरियाणा में सरकार से तीन निर्दलीय विधायकों के समर्थन वापसी पर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि ये चुनावी माहौल है, कौन किधर जाता है, किधर से आता है, इसका कोई खास अंतर पड़ने वाला नहीं है। बहुत से विधायक हमारे भी संपर्क में हैं, इसलिए किसी को भी ये चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। पूर्व सीएम ने कहा कि कब कौन क्या करेगा, चुनाव अभी लंबा चलेगा। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हम जब तक सरकार के साथ हैं, तब तक ऐसे हालात नहीं थे। पहले लाया गया अविश्वास प्रस्ताव पिछली खट्टर सरकार के खिलाफ था। अब राज्य में नई सरकार बनी है तो इनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए 6 महीने के गैप की जरूरत नहीं है। कांग्रेस अविश्वास प्रस्ताव लाए, हम उनका साथ देंगे। हरियाणा की सैनी सरकार को समर्थन देने वाले निर्दलीय विधायक नयन पाल रावत ने कहा कि सरकार के साथ था और साथ ही रहूंगा। निर्दलीय विधायकों को कुछ मिलने की उम्मीद थी, लेकिन जब कुछ नही मिला तो वह निराश हो गए। अब शायद उन्हें लगा कि उनका भविष्य कांग्रेस में सुरक्षित है। मुझसे किसी ने संपर्क नहीं किया क्योंकि उन्हें पता है कि मैं भाजपा में ही रहने वाला हूं। सीएम नायब सिंह सैनी का कहना है कि कांग्रेस की इच्छा सरकार बनाने की रहती है। हरियाणा में सरकार को कोई खतरा नहीं है।

पुंछ आतंकी हमले के तीन संदिग्धों की तस्वीर सामने आई

संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 4 मई को वायुसेना के काफिले पर हुए आतंकी हमले में शामिल तीन संदिग्धों के नाम और उनकी तस्वीर सामने आई है। इन आतंकियों में से एक पाकिस्तानी सेना का पूर्व कमांडो इल्यास उर्फ फौजी है, दूसरा लश्कर का कमांडर अबु हमजा और तीसरा पाकिस्तनी आतंकी हदून है। इस हमले में वायुसेना का एक जवान शहीद हो गया था और चार घायल हो गए थे। सेना ने हमले में शामिल आतंकियों के स्कैच जारी करने के साथ उन पर 20 लाख के इनाम का ऐलान भी किया है। हमले के सिलसिले में पूछताछ के लिए करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया गया है। बुधवार को लगातार पांचवें दिन सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी है। वहीं, कुलगाम के रेडवानी पाईन इलाके में बुधवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच आज फिर मुठभेड़ चल रही है। इसमें तीसरा आतंकी मारा गया है। उसकी पहचान की जा रही है। इससे पहले मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया था। मंगलवार को मारे गए आतंकियों में लश्कर का टॉप कमांडर बासित डार भी था, जिस पर 10 लाख रुपए का इनाम था। वह कश्मीर में कई लोगों की हत्या में शामिल रहा है। वहीं, मारा गया दूसरा आतंकी फहीम अहमद था, जो आतंकियों की मदद करता था। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 4 मई को एयरफोर्स जवानों पर हुए आतंकी हमले में पांच जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान एक जवान की मौत हो गई। यह हमला पुंछ के शाहसितार इलाके में हुआ। आतंकियों ने सुरक्षाबलों के दो वाहनों पर भारी फायरिंग की। इसमें से एक वाहन एयरफोर्स का था। दोनों गाड़ियां सनाई टॉप जा रही थीं। आतंकियों की गोलियां वाहन के सामने और साइड वाले शीशे को पार कर गईं। सुरनकोट में 21 दिसंबर को सेना के काफिले पर आतंकियों ने हमला किया था। इसमें 5 जवान शहीद हो गए थे। वारदात को 4 आतंकियों ने अंजाम दिया था। आतंकियों ने अमेरिकी ख्र-4 कार्बाइन असॉल्ट राइफल से स्टील बुलेट फायर की थीं। ये स्टील बुलेट सेना के वाहनों की मोटी लोहे की चादर को पार करते हुए जवानों को लगीं। पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकियों ने सोशल मीडिया पर हमले वाली जगह की तस्वीरें भी जारी कीं।

'कांग्रेस ने बाबा साहेब अम्बेडकर को सबसे ज्यादा जलील किया

सीएम भजनलाल बोले- तेलंगाना सीएम फ़ेक वीडियो बना रहे, चुनाव में सभी हथकंडे अपनाएंगे

संजीवनी टुडे

जयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब अम्बेडकर को सबसे ज्यादा जलील किया है। कांग्रेस ने कभी उनके बारे में चिंता नहीं की। उन्हें कभी चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया। जब बाबा साहब ने चुनाव लड़ा तो उन्हें हराने का काम भी कांग्रेस ने किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज तेलंगाना में चेवेल्ला लोकसभा से बीजेपी प्रत्याशी कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी के समर्थन में राजस्थानियों के साथ 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- कांग्रेस के लोग सरदार पटेल को भी भूल गए हैं। इनको केवल एक परिवार याद आता हैं। इन्हें राष्ट्र की नहीं, केवल एक परिवार की चिंता हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति करती है। इनके प्रधानमंत्री ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। जबकि हमारे प्रधानमंत्री सबके लिए समान रूप से काम करते हुए दुनिया में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। आपको लोगों से ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील करनी हैं कि प्रवासी राजस्थानी अपने कर्तव्य का ध्यान रखते हुए अपनी वोट की ताकत को पहचानें और लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी को भारी मतों से विजयी बनाएं।

तेलंगाना सीएम फ़ेक वीडियो बनवा रहे

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- तेलंगाना के सीएम फ़ेक वीडियो बनवा रहे हैं। उन्हें अपने पद की मर्यादा भी याद नहीं है। ये लोग चुनाव में किसी भी तरह के हथकंडे अपना सकते हैं। लेकिन जनता सच जानती है। तेलंगाना में जनता कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार से त्रस्त है। त्रस्त जनता बीजेपी को प्रचंड बहुमत देने का मन बना चुकी है तथा लोकसभा चुनावों में यहां भाजपा भारी मतों से विजयी होगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 500 साल से टेंट में रह रहे रामलला की 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य प्राण-प्रतिष्ठा कर करोड़ों भारतीयों के सपनों को साकार किया है। अयोध्या आज दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक एवं धार्मिक केन्द्र है। वहीं, आने वाले समय में देश में बहुत बड़ा परिवर्तन होने वाला हैं। सेक्यूलरवादी आने वाले दिनों में कहीं नहीं दिखेंगे। यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए पूरी ताकत के साथ सभी को इस चुनाव में जुटना हैं। सीएम भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानियों को कहा कि मैं आपकी ताकत को जानता हूं। आप दो से चार, चार से छह करना जानते हैं। आपके यहां 13 मई को मतदान होगा। इस दिन आपको बीजेपी के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा वोटिंग करवानी हैं।

एअर इंडिया एक्सप्रेस मामले में एविएशन मिनिस्ट्री ने मांगी रिपोर्ट

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की एयरलाइन एअर इंडिया एक्सप्रेस की 90 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल होने के मामले में सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने एयरलाइन से रिपोर्ट मांगी है। विमानन मंत्रालय ने एयरलाइन से तेजी से मामले का समाधान करने को कहा है। एअर इंडिया एक्सप्रेस के 200 से ज्यादा सीनियर क्रू-मेंबर्स के एक साथ छुट्टी पर चले जाने के कारण इस तरह की स्थिति बनी है। इन्होंने बीमारी को वजह बताकर छुट्टी ली है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक केबिन क्रू मेंबर मिसमैनेजमेंट का विरोध कर रहे हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस के कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच विवाद बढ़ने से लगभग एक हफ्ते पहले रीजनल लेबर कमिश्नर ने एयरलाइन को पत्र लिखा था- इसमें कहा था कि शिकायतें वास्तविक है और क्ष्ट डिपार्टमेंट ने सुलह अधिकारी को गुमराह करने की कोशिश की। फ्लाइट कैंसिल होने के बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि हमारे केबिन-क्रू ने मंगलवार रात अचानक बीमार होने की सूचना दी है, जिसके बाद कुछ उड़ानों में देरी हुई और कुछ रद्द कर दी गई हैं। हम क्रू से बातचीत कर रहे हैं ताकि यात्रियों की असुविधा कम हो सके। एयरलाइन ने बताया कि उड़ानें रद्द होने से प्रभावित पैसेंजर्स को या तो एयरलाइन से पूरा रिफंड मिलेगा या वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपनी उड़ान को री-शेड्यूल्ड कर सकेंगे। इसके अलावा, प्रवक्ता ने बुधवार को एयरलाइन से उड़ान भरने वाले यात्रियों को एयरपोर्ट पहुंचने से पहले एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी, ताकि वे फ्लाइट कंफर्म कर सकें। अचानक फ्लाइट्स कैंसिल किए जाने से केरल के कई एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने एविएशन मंत्रालय से प्रभावित लोगों की समस्या हल करने और वैकल्पिक व्यवस्था करने को कहा है। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन ने केंद्रीय सिविल एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखकर तुरंत एक्शन लेने की मांग की। सतीशन ने पत्र में लिखा कि पैसेंजर्स को एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद फ्लाइट कैंसिल होने के बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया की ओर जाने वाले अनेक लोगों को उनकी नौकरी जाने का डर है।

गहलोत बोले-मोदी अडानी-अंबानी पर हाथ क्यों नहीं डाल पाए, डोटासरा बोले

राहुल गांधी ने 3 अप्रैल से 103 बार अडानी,30 बार अंबानी का नाम लिया

संजीवनी टुडे

जयपुर। पीएम नरेंद्र मोदी के अडानी-अंबानी वाले बयान पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पलटवार किया है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर पीएम मोदी पर निशाना साधा है। गहलोत ने सत्ता में रहने के बावजूद अडानी अंबानी की जांच नहीं करवाने को लेकर मोदी पर सवाल उठाए। गहलोत ने लिखा- चलो यह खुलासा तो प्रधानमंत्रीजी ने बेबाकी से कर ही दिया कि अदानी-अंबानी के पास अकूत कालाधन मौजूद है, जिस पर हाथ डालने की हिम्मत वे 10 साल में नहीं कर पाए। अब मोदीजी को ये भी बता देना चाहिए कि आज के पहले नोटों से भरे बोरे और टेम्पो किनके यहां खाली होते थे राहुल गांधी लम्बे समय से सत्य के साथ संघर्ष कर रहे हैं। अंतिम विजय सत्य की होती है, 4 जून को न्याय और सत्य की विजय होगी। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पीएम मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए अडानी अंबानी की जांच कराने की चुनौती दी।

अडानी-अंबानी की सच्चाई देश को बता रहे मोदी

डोटासरा ने सोशल मीडिया पर लिख- प्रधानमंत्रीजी, राहुल गांधी हर दिन अडानी-अंबानी की सच्चाई देश को बता रहे हैं। ''चंदा दो, धंधा लो'' स्कीम से इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए भाजपा की वसूली का खुलासा कर रहे हैं। डोटासरा ने आगे लिखा- हुल गांधी ने 3 अप्रैल से अब तक करीब 103 बार अडानी और 30 बार अंबानी का नाम लेकर इस भ्रष्टाचार की सच्चाई देश को बताई है। अब स्वयं आपने भ्रष्टाचार स्वीकार कर लिया है, तो अडाणी और अंबानी के ''काले धन'' की जांच कराइए। पीएम मोदी ने चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी पर इन दिनों अंबानी अडानी का नाम नहीं लेने पर सवाल उठाए थे। पीएम ने कहा था कि पिछले 5 सालों से कांग्रेस के शहजादे दिन-रात एक ही माला जपते थे। 5 उद्योगपति, अंबानी और अडाणी, लेकिन जब से चुनाव घोषित हुआ है, इन्होंने अंबानी-अडाणी को गाली देना बंद कर दिया है...क्यों पीएम ने कहा- मैं कांग्रेस के शहजादे से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने अडाणी और अंबानी से कितना माल उठाया है काला धन के बोरे भर के रुपए मारे हैं।

खबरें फटाफट

गौ सेवा व पोधरोपण कर मनाया जन्मदिन

संजीवनी टुडे

सेड़वा। अमूमन तौर पर युवा वर्ग अपने जन्मदिवस पर केक काटना या बड़े बड़े रेस्टोरेंट में पार्टियां कर फिजूल खर्च पर ज्यादा आकर्षित है, मगर 22 वर्षीय युवा स्टूडियो संचालक नरेश जाखड़ ने मां आशापुरा गौशाला गंगासरा जाकर गौ माता को हरा चारा व गुड़ खिलाकर अपना जन्मदिवस मनाया, जाखड़ ने कहा कि प्रत्येक युवा अगर गौ माता की सेवा का संकल्प लेकर अपना जन्मदिवस मनाए तो गौमाता को काफी सहारा मिलेगा, इसी संदेश के साथ मैने भी युवा साथियों के साथ गौमाता की सेवा करना उचित समझा, वीर जांदू, चुनाराम जाणी, तगाराम सेंवर, गोपी बिश्नोई, रोशन गज्जू, पूनम डूडी देवाराम प्रजापत, जोगाराम, सहित कई युवा साथ रहे।

कलश व ध्वज यात्रा के साथ नंगेश्वर बाबा के दो दिवसीय मेले का हुआ शुभारंभ

संजीवनी टुडे

माचाड़ी(राजगढ़) राजकुमार गुप्ता। माचाड़ी कस्बे में अमावस्या तिथि पर पाटन मार्ग स्थित नंगेश्वर बाबा धाम से कलश यात्रा व ध्वज यात्रा का शुभारंभ विधिवत पूजा अर्चना के साथ हुआ। कलश यात्रा में 551 कलश महिलाएं सिर पर धारण कर भजनों पर झूमते नाचते हर्षोल्लास के साथ जा रहे थे। वहीं श्रद्धालु ध्वज लेकर कलश यात्रा के आगे-आगे चल रहे थे। कलश यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर माचाड़ी कस्बे के मुख्य मार्गों से होती हुई वापस नंगेश्वर बाबा के धाम पहुंची। जहां पर नंगेश्ववर बाबा के दो दिवसीय मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा के दौरान धर्म प्रेमियों ने जगह-जगह पर ठण्ड़ी शरबत, शीतल पेय आदि पिलाकर धर्म लाभ कमाया। नंगेश्वर बाबा के महंत माधव दास महाराज ने बताया कि हर वर्ष बैसाख कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में दूर दूर से दूकानदार आकर अपनी दुकानें लगाते हैं। वहीं हजारों की संख्या में श्रद्धालु आकर यहां ढ़ोक लगा कर बाबा का आशीर्वाद लेते हैं। इस दौरान आनंद सिंह, किशन बटवाड़ा, सुरेश जांगिड, रतन तिवारी, छोटेलाल सैनी, ओमप्रकाश सैनी, गोपाल नरूका, नवल रावत सहित सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में तीन दिवसीय कार्यक्रम

संजीवनी टुडे

बीकानेर। विप्र सेना बीकानेर द्वारा आज से भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष मे तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन की श्रृंखला में आज गौतम चौक गंगाशहर, बीकानेर से की गई जिसमे पक्षियों हेतु पलसियो की शुरुआत की गई और जिला अध्यक्ष इंद्र कुमार जाजडा ने बताया कि आज से अलग अलग जगह पर पक्षीयो के लिए पलसिये रखे जायेगे एवं आसपास के क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर पार्क में पलसिया लगवाने का सभी विप्र बंधुओ से आग्रह किया इस कार्यक्रम में विप्र सेना के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नित्यानंद जी पारीक किशन जी जोशी, पार्षद रामदयाल जी पंचारिया समाजसेवी घनश्याम जी गिल छः न्याति युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महादेव जी उपाध्याय गौतम नारायण सेवा के अध्यक्ष लक्ष्मण जी उपाध्याय विप्र सेना कार्यकारिणी के सदस्य दिनेश जी जोशी महेंद्र कुमार जाजड़ा शिवराज पंचारिया रमन भानु गणेश ओझा अमित ओझा उपस्थित हुए हैं इस पुनीत कार्य में संभाग अध्यक्ष हरि गोपाल जी उपाध्याय संभाग प्रभारी पवन कुमार जी सारस्वत गोपाल जी जोशी युवा अध्यक्ष धर्मेंद्र जी सारस्वत विप्र सेना प्रदेश उपाध्यक्ष जेना महाराज रविंद्र जाजड़ा और सभी विप्र सेना परिवार ने सहयोग किया इन्द्र कुमार शर्मा ने आये हुए सभी विप्र बंधुओ का आभार प्रकट किया एवं संभाग प्रभारी पवन कुमार सारस्वत ने बताया कि इसके शाम 06.00 बजे से बिनानी चौक सत्यनारायण जी मन्दिर प्रांगण में सुन्दर काण्ड का पाठ का आयोजन कर बीकानेर वासीयों की खुशहाली की कामना की।

रविन्द्र नाथ टैगोर जंयती पर पंचायती पुस्तकालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

एडवोकेट सुरेन्द्र माथुर किट्टू द्वारा लिखित पुस्तक का हुआ विमोचन

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के पंचायती पुस्तकालय एवं वाचनालय में मंगलवार को रविन्द्र नाथ टैगोर जयंती कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पुस्तकालय परिसर में वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी सुरेन्द्र माथुर किट्टू द्वारा रचित पुस्तक राजगढ़ मेरा गौरव भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ के प्राचार्य प्रो. डा. के एल मीना रहे। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ के एम गुप्ता, योगेश वशिष्ठ, प्रो. डॉ यशोदा मीना रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायंस क्लब राजगढ़ के अध्यक्ष लायन खेम सिंह आर्य ने की। पुस्तकालय अध्यक्ष एडवोकेट भूपेंद्र शर्मा ने बताया की कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां शारदे एवं गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर कैरियर पाइंट की छात्राओं द्बारा सरस्वती वंदना एवं शर्मीला मुखर्जी द्वारा रविन्द्र संगीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाज सेवी सुरेंद्र माथुर किट्टू के द्वारा अपने द्वारा रचित पुस्तक राजगढ़ मेरा गौरव को पुस्तकालय के अध्यक्ष एडवोकेट भूपेंद्र शर्मा, सचिव जगमोहन शर्मा, प्रभारी पूरण जैमन एवं समस्त कार्यकारिणी को उपहार स्वरूप भेट की गई। उन्होंने अपने उद्बोधन में पुस्तक राजगढ़ मेरा गौरव पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मंचासीन विशिष्ट अतिथि प्रोफ़ेसर डॉक्टर यशोदा मीना रिटायर्ड प्राचार्य जीडी कॉलेज अलवर ने कहा कि पुस्तक लिखना उतना ही कठिन कार्य है जितना समुद्र में से मोती चुनने के समान है। पुस्तक लेखन के लिए एकाग्रता एवं समय की बहुत उपयोगिता होती है। पुस्तक लेखन में संकलन करना सत्यता को परखना और उसके बाद लेखन कार्य किया जाता हैं। लायंस क्लब के अध्यक्ष खेम सिंह आर्य ने अपने उद्बोधन में कहा की एडवोकेट माथुर के द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया है और इसका लाभ पुस्तकालय के पाठकों को मिलता रहेगा तथा आने वाली पीढ़ी को राजगढ़ के इतिहास और गौरव के बारे में जानने का इस पुस्तक के माध्यम से अवसर प्रदान होगा। मुख्य वक्ता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर डॉ के एल मीना ने राजगढ़ परिक्षेत्र और उसके आसपास के इतिहास के बारे में अपना उद्बोधन दिया और उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा की राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय विजिट कराकर उनके लिए उपयोगी पुस्तकों का संग्रह किया जाएगा। अंत में संस्था के कोषाध्यक्ष किशोर मुखर्जी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन लॉयन एन एल वर्मा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रोफ़ेसर आंचल मीना, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष पदमा गोयल, सचिव रश्मि विजय, महिला समिति की सदस्य डॉक्टर नीरज शर्मा, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष राजेश शर्मा ठेकेदार, कला संगम राजगढ़ के अध्यक्ष बृजेंद्र अवस्थी, नंदी गौशाला के अध्यक्ष प्रीति विजय, प्रवीण शर्मा, विवेक शर्मा, अशोक शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, रामनिवास मीना, अजय यादव, मनोज गुप्ता, लल्लू राम मीणा खुर्द सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित गणमान्य लोगों द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी सुरेंद्र माथुर किट्टू को माला और साफा पहनकर उनका मंच पर स्वागत किया गया। रीजन चेयरपर्सन लायन वीरेंद्र दाधीच के द्वारा सुरेंद्र माथुर को पुस्तक लेखन पर अवार्ड ऑफ ऑनर तथा मोमेंटों भेंट किया गया।

आईआईएस में हुई सेवानिवृत्ति योजना पर हुई कार्यशाला

संजीवनी टुडे

जयपुर। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली और इण्डिया इंटरनेशनल स्कूल, मानसरोवर जयपुर की ओर से बुधवार को आईआईएस के एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में सेवानिवृत्ति योजना पर एक कार्यशाला हुई। कार्यशाला के मुख्य वक्ता पंकज सिमलोट, मैक्स लाइफ पेंशन से वरिष्ठ बिक्री प्रबंधक रहे। कार्यशाला में इंडिया इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर के शिक्षकों समेत जयपुर के ट्योलर हाई स्कूल, एशियन वर्ल्ड स्कूल, ब्लू हेवन विद्यालय, विद्यासागर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एसजी इंटरनेशनल, स्कूल और सेंट जेवियर्स स्कूल नेवटा के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। विद्यालय की उप प्राचार्या निधि जोधा ने सभी आगन्तुकों का आभार जताया।

सत्य का मार्ग कठिन संत सियाराम

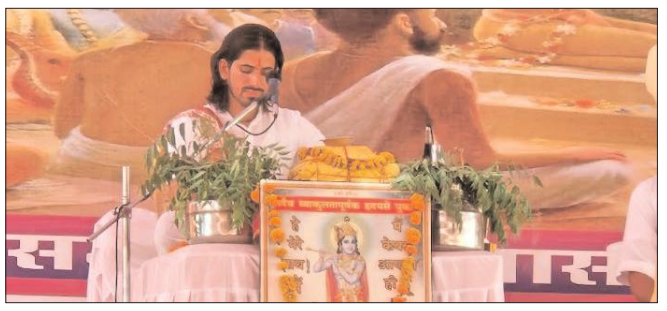

संजीवनी टुडे

धनाऊ। सुंधा माता मंदिर सुथारो की ढाणी सांवा में चल रही श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन व्यास पीठ से संत सियाराम महाराज द्वारा कथा का वाचन करते हुवे कहा कि मन की लालसा कभी पूरी नहीं होती है सदैव सत्य और ईश्वरीय मार्ग को ही चुने भले जीवन में कितनी भी कठिनाई आती रहे जीवन का हर पल कुछ ने कुछ सबक देता हे यदि हम लोग गहराई से विचार करे निंदा, लालसा से परहेज करे भगवान श्री कृष्ण के अनेकों चमत्कार का विस्तृत विवरण के साथ महाभारत काल के कई प्रसंगों और भगवान और भक्त भावुक संबंधो के बारे बताते हुवे मनुष्य जीवन में सत्संग के महत्व आज के समय का विशेष ध्यान रखते हुवे सत्कर्मों में प्रयोग करे क्योंकि समय का कोई भरोसा नहीं कद पलटी मारे जावे कथा के दूसरे दिन की समाप्ति पर आरती और प्रसाद वितरण किया गयारात्रि में नैनी बाई रो मायरो का वाचन भी किया गया जिसमे सैकड़ो भक्तो ने संगीत मय कथा और मायरे का श्रवण कर फल प्राप्त किया गया कथा में संत जेठाराम, कांतिलाल संत, पूनमाराम मांकड़, नाथूराम लद्रेचा, खेताराम, पांचाराम विश्नोई, सिमरथाराम, देवाराम, रावताराम, देदाराम ढाका डूंगराराम सुथार श्रवण कुमार भवार गणेशाराम, साजन राम जांगू सहित आस पास के धनाऊ, कितनोरिया, नवातला, सदराम की बेरी, भुणीया, सांवा, बुरहान का तला, भंवार सहित अनेकों गांवों के भक्त मौजूद रहे।

रेडक्रॉस सोसायटी की 160वां स्थापना दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

संजीवनी टुडे

बीकानेर। इण्डियन रेडक्रॉस सोसाइटी बीकानेर ब्रांच के तत्वावधान में इंटरनेशनल रेडक्रॉस डे के अवसर पर बुधवार को रेडक्रॉस सोसाइटी :जीवन और स्वस्थ्य समाज विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जय नारायण व्यास कॉलोनी स्थित जीसस एंड मैरी विद्यालय के सभा कक्ष में आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रेडक्रॉस स्टेट ब्रांच के वाइस चेयरमैन विजय खत्री थे। तथा समारोह की अध्यक्षता कवि-कथाकार एवं बीकानेर ब्रांच के चेयरमैन राजेन्द्र जोशी ने की। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रख्यात शल्य चिकित्सक डॉ. तनवीर मलावत रहे। इस अवसर पर युवा रेडक्रॉस सोसाइटी जीसस एंड मैरी विद्यालय ब्रांच का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम में विचार रखते हुए मुख्य अतिथि विजय खत्री ने कहा कि आज से 160 वर्ष पूर्व इंटरनेशनल रेडक्रॉस सोसायटी की स्थापना जिनेवा में हेनरी ड्यूनेन्ट ने की थी। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस युद्ध के समय युद्ध क्षेत्र में सैनिकों तथा नागरिकों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है, खत्री ने कहा कि युद्ध बंदियों के साथ अमानवीय व्यवहार नहीं हो यह मॉनिटरिंग रेडक्रॉस द्वारा की जाती है। खत्री ने कहा की 2024 का स्लोगन सबको साथ लेकर मानवता को जीवित रखने का है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए राजेन्द्र जोशी ने कहा कि भारत में रेडक्रॉस सोसाइटी का गठन 1920 में किया गया था, उन्होंने कहा कि जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा सुनिश्चित करना, शांति काल में प्राकृतिक आपदाओं के समय आम जन की सहायता करना, तथा प्राथमिक चिकित्सा सहायता प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य रेडक्रॉस सोसायटी कर रहा है। जोशी ने कहा कि मनुष्यता जीवित रहे तथा मनुष्य मनुष्य की रक्षा करें इसके लिए रेडक्रॉस सदैव अग्रणी भूमिका निभाता रहा है, उन्होंने कहा कि मित्रता सहयोग और स्थाई शांति के लिए रेडक्रॉस सोसायटी देश भर में काम करती है। मुख्य वक्ता के रूप में अपनी बात रखते हुए डॉ. तनवीर मलावत ने कहा कि हमारे देश में रक्तदान- रक्त सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम रेडक्रॉस सोसायटी ने किया है, मालावत ने कहा कि आज भी नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित करना तथा विभिन्न स्थानीय शाखाओं द्वारा भारत में 100 से अधिक ब्लड बैंक रेड क्रॉस सोसायटी संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि मनुष्य की सेवा और स्वस्थ रखने का काम रेडक्रॉस सोसायटी की प्रमुखता से लिया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अनूप सिंह ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि विद्यालय में गठित की गई बाल रेडक्रॉस सोसायटी की सक्रिय भागीदारी की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन निधी दुगड ने किया। अतिथियों को स्मृति चिह्न संजीव शर्मा ने भेंट किए।

कपास के फसल की सुरक्षा के लिए सटीक खरपतवार नाशक का उपयोग आवश्यक: गोदरेज एग्रोवेट

संजीवनी टुडे

हनुमानगढ़। भारत के कृषि परिदृश्य में कपास का महत्वपूर्ण स्थान है और देश की अर्थव्यवस्था में इसकी उल्लेखनीय भूमिका है। यह कृषि और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करता है और रोज़गार साधनों को उपलब्ध कराने में भी मदद करता है। हालांकि, इसे खरपतवारों की वजह से बहुत खतरा होता है, जिससे पैदावार में 40% से 85% तक का भारी नुकसान होता है और इस तरह गुणवत्ता प्रभावित होती है तथा उत्पादन लागत बढ़ जाती है। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी ऽ फसल सुरक्षा कारोबार, राजावेलु एनके ने कहा, ''कपास के खेत में खरपतवारों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए, खरपतवार नाशक का उपयोग इसके उगने से पहले तथा शुरुआती दौर में और उग आने के बाद समझदारी से करना जरूरी है, खासकर उस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान, जब फसल और खरपतवार के बीच प्रतिस्पर्धा होती है। इसलिए उचित समय पर और उचित मात्रा में, उचित खरपतवारनाशी का उपयोग करने से खरपतवारों के नियंत्रण में मदद मिलती है। अच्छी और टिकाऊ खेती के यह जानना ज़रूरी है कि खतपतवार कब समस्या बन सकते हैं। खरपतवार की प्रतिस्पर्धा को कम करने में सहायक तकनीकों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हाथ से निराई-गुड़ाई और क्यारियों के बीच जुताई (इंटर-कल्टीवेशन) के प्रभावी परिणाम दिखे हैं। खरपतवार के बढ़ने के महत्वपूर्ण चरण के दौरान दो बार हाथ से निराई करने वाले किसानों ने कपास की उपज में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। यांत्रिक तरीकों से खरपतवार पर नियंत्रण और मिट्टी में बेहतर वायु संचरण (एयरेशन) में मदद मिलती है।

हालांकि, श्रमिकों की कमी और मिट्टी में अतिरिक्त नमी से कई तरह की चुनौतियां सामने आती हैं, खासकर खरीफ के मौसम में लगातार सिंचाई या भारी बारिश के दौरान, समय पर पारंपरिक तौर पर अपनाए जाने वाले उपायों में बाधा आती है। इन पर काबू पाने के लिए, उपयुक्त समय पर खरपतवार नाशक का उपयोग बेहतर ज़रूरी हो जाता है ताकि खरपतवार पर प्रभावी तरीके से नियंत्रण हो और पैदावार बेहतर हो। राजावेलु ने कहा ल्लकपास की फसल के बीच में उगने वाले खरपतवारों से निपटने के लिए खरपतवार प्रतिस्पर्धा की महत्वपूर्ण अवधि की पहचान करना महत्वपूर्ण है। कपास लंबे समय में तैयार वाली फसल है और इसे बुआई के 45 दिन बाद (डीएएस) तक खरपतवार से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। अधिकतम फसल पाने के लिए इस दौरान खरपतवार मुक्त स्थिति बनाए रखना अनिवार्य है। इसलिए कपास की फसल को उगने के बाद के प्रारंभिक चरण यानि 5-15 दिन के दौरान सुरक्षित रखने की बेहद ज़रूरत होती है।

14वीं पुण्यतिथि पर शहीद राकेश कुमार मीना को श्रद्धांजलि देकर लोगों ने किया याद

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। उपखंड क्षेत्र के ग्राम दुब्बी निवासी शहीद राकेश कुमार मीना की 14वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। सर्व समाज हैल्प टीम संयोजक प्रकाश भाबला दुब्बी एवं शहीद के भाई हरदीप मीना ने बताया की 8 मई 2010 को बीजापुर छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले में शहीद हो गए थे। बुधवार को अमर शहीद राकेश कुमार मीना की 14 वी पुण्यतिथि मनाई गई है। इस अवसर पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल समूह अजमेर प्रथम के डीआईजीपी संजय यादव के निर्देश में सब इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह यादव ने सीआरपीएफ प्रथम समूह अजमेर के बैनर तले शहीद स्मारक दुब्बी पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। सब इंस्पेक्टर विरेंद्र सिंह कहा कि शहीद अपने माता-पिता का तो बेटा होता ही है उसके बाद पूरे देश का बेटा होता। जिस शहीद ने अपने घर परिवार को छोड़कर अपने देश के लिए प्राण न्योछावर कर दिये। ऐसे शहीद की शहादत को पूरा देश नमन करता है। सीआरपीएफ परिवार शहीद के सम्मान में एवं शहीद के परिवार के हर सुख-दुख में हमेशा आते जाते रहेंगे एवं शहीद के परिवार के साथ हमेशा खडे रहेंगे। सीआरपीएफ के बैनर तले शहीद स्मारक पर शहीद की छायाचित्र व शहीद की प्रतिमा पर सब इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह यादव ने दीप प्रज्वलित व पुष्प माला चढ़ाकर शहीद को श्रद्धांजलि दी। इनके बाद विरांगना रमेशी देवी, सवित्रा यादव प्रिंसिपल राव एजुकेशन एकेडमी ने व दुब्बी सरपंच प्रतिनिधि व ग्रामवासियों ने शहीद के परिवार रिश्तेदारों ने शहीद की चारों बेटीयों ने भी पुष्प माला चढ़ाकर श्रृद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पंडित हरिप्रसाद शर्मा से हवन पूजन भी कराया गया। इस अवसर सीआरपीएफ प्रथम समूह अजमेर के सब इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह, सवित्रा यादव प्रिंसिपल, रामप्रसाद पंच मानसिंह, बोदन पटेल, विनोद मीना सरपंच प्रतिनिधि दुब्बी, कैलाश पटेल, किशोर, काला मेम्बर, पप्पू मेंबर, धनपाल, मोहनलाल, लील्या, प्रकाश भाबला सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

कुश्तला के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में पक्षियों के लिए बांधे परिंडे

संजीवनी टुडे

सवाईमाधोपुर। जिला मुख्यालय के नजदीकी कस्बे कुश्तला स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में गर्मी के मौसम को देखते हुए बुधवार को पक्षियों के लिए परिंडे बांधे गए। कम्प्यूटर अनुदेशक कृतिक जैन ने बताया की स्थानीय विद्यालय के संस्था प्रधान मनुदेव सिंहल के नेतृत्व में विद्यालय स्टाफ के सदस्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा स्थानीय विद्यालय परिसर में आधा दर्जन परिंडे बांधे कर पानी की व्यवस्था भी की गई। जिससे की पंछियों को पानी पीने के लिए इधर उधर नहीं भटकना पड़े।इस दौरान संस्था प्रधान मनुदेव सिंहल ने बताया की इंसान तो मांगकर पानी पी सकता है, लेकिन बेजुबान पक्षी मांगकर पानी नहीं पी सकते है। इंसानों को पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम रखना चाहिए। इसलिए सभी को गर्मी के दिनों में विशेष रूप से अपने घरों में भी परिंडा जरूर लगाना चाहिए। व्याख्याता सुरेश माली ने उपस्थित विद्यार्थियों को बताया कि प्राणियों की सेवा करना ही सबसे बड़ा पुण्य है। परिंडे लगाने से बेजुबान पक्षियों को जीवन दान मिलेगा। उपस्थित स्टाफ सदस्यों सहित विद्यार्थियों ने गर्मी के मौसम को देखते हुए परिंडों में नियमित पानी भरने का संकल्प भी लिया। इस दौरान वरिष्ठ अध्यापक कुसुमलता खिंची, निर्मल कुमार जैन, रामलखन जाट, अध्यापक ओम प्रकाश मीना, वरिष्ठ सहायक आशीष यादव, प्रियंका गुप्ता सहित स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वर्षीतप पारणा महोत्सव, में भगवान आदिनाथ की पंच कल्याणक पूजा, अभिषेक आज

संजीवनी टुडे

बीकानेर। जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ की साध्वीश्री विजयप्रभाश्री, साध्वीश्री चंदन बाला, प्रभंजनाश्री व साध्वी साध्वीश्री मृगावतीश्री व साध्वीवृंद के सान्निध्य में त्र दिवसीय वर्षीतप पारणा का महोत्सव के प्रथम बुधवार को भक्ति संगीत के साथ भगवान आदि नाथ की पंच कल्याणक पूजा, नवंकार महामंत्र का जाप के आयोजन हुए। गुरुवार को सुबह साढ़े आठ बजे नाहटा चौक के भगवान आदिनाथ मंदिर में 18 अभिषेक साध्वीवृंद के सान्निध्य अभिषेक व सुगनजी महाराज के उपासरे में दोपहर दो बजे गीत, सांझी का आयोजन होगा। रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे में सुगनजी महाराज का उपासरा ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनेश्वर युवक परिषद की ओर से पूजा का लाभ उज्जैन के चन्द्र शेखर, तरुण कुमार, बिन्दू, कैवल्य डागा परिवार ने लिया। पूजा में साध्वीश्री प्रभंजना, चिन्मयाश्रीजी, तपस्वी चिदयशाश्री, वीरेन्द्र पप्पूजी बांठिया, कुशल दुगड़, श्रीमती बिन्दू डागा व विचक्षण महिला मंडल ने वरिष्ठ श्राविका मूलाबाई दुगड़ के नेतृत्व में ''तर जाने के लिए कीजिए पूजन आदिनाथ जिनेश्वर का'', ''पूजन प्रभु आदि जिनेश्वर का घर-घर में मंगल बरताये, जो करे भाव से भवि प्रणी भव सागर से तर जावें'', ''ऋषभ देव की देन, सब कला, ज्ञान साहितय सीखो, सिखलाओ सदा बनो उद्यमी नित्य'' भजन विभिन्न राग व तर्जों व ढाल के साथ भगवान के चव्यन, जन्म, दीक्षा, केवल्य ज्ञान व मोक्ष कल्याणक पूजा के दौरान प्रस्तुत किए। श्री सुगनजी महाराज का उपासरा ट्रस्ट के मंत्री रतन लाल नाहटा ने बताया गुरुवार को आदिश्वरजी के मंदिर में 18 अभिषेक व दोपहर पदो बजे सुगनजी महाराज के उपासरे में सामूहिक गीत, 10 मई अक्षया तृतीया शुक्रवार को सुबह नौ बजे तपस्या का वरघोड़ा (शोभायात्रा) उपासरे से रवाना होकर ढ्ढढा कोटड़ी पहुंचेगा। श्री जिनेश्वर युवक परिषद के अध्यक्ष संदीप मुसरफ ने बताया नाहटा चौक के भगवान आदिनाथ मंदिर आदिनाथ मंदिर प्रन्यास के सहयोग आदिश्वरजी के मंदिर में गुरुवार को 18 अभिषेक भक्ति संगीत के साथ होगा। श्री जिनेश्वर युवक परिषद के मंत्री मनीष नाहटा ने बताया की बीकानेर मूल की सांसारिक रूप से बोथरा परिवार की साध्वीश्री चिदयशा सहित 9 श्राविकाओं का वर्षीतप का पारणा होगा। साध्वीश्री चिदयशा ने दीक्षा के प्रथम वर्ष यानि 30 पहले वर्षीतप किया तथा यह उनका दूसरा वर्षीतप है। आचार्यश्री जिन पीयूष सागर सूरीश्वरजी की प्रेरणा से गुजरात के पालीतणा तीर्थ में चातुर्मास कर करीब 1500 किलोमीटर की पद यात्रा करते हुए अपनी मातृभूमि में तपस्या के पारणे के लिए पहुंची है। उन्होंने बताया कि वर्षीतप की तपस्या में एक दिन उपवास एक दिन बयासना यानि दो वक्त सीमित आहार लिया जाता है। नाल स्थित दादा गुरुदेव जिन कुशल सूरीश्वरजी की दादाबाड़ी में बुधवार अमावस्या को भक्ति संगीत के साथ पूजा व प्रसाद का किया गया। पूजा का लाभ गंगाशहर के सुश्रावक जेठमल, चन्द्र कुमार, जयकुमार भंसाली परिवार ने लिया है।

विधायक सेवा केंद्र का नगर स्थापना दिवस समारोह

तीसरे दिन शहरी क्षेत्र में रोशन हुए दीप, जस्सूसर गेट सहित विभिन्न स्थानों पर हुए कार्यक्रम

संजीवनी टुडे

बीकानेर। बीकानेर नगर के 537वें स्थापना दिवस के अवसर पर विधायक सेवा केंद्र द्वारा आयोजित चार दिवसीय समारोह के तहत बुधवार को दीपदान कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान जस्सूसर गेट के अंदर ग्यारह सौ दीपक प्रज्वलित किए गए। कम्युनिटी वेलफ़ेयर सोसायटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि नगर स्थापना दिवस को प्रत्येक घर में पूर्ण उत्साह, उल्लास और उमंग के साथ मनाएं, इसके मद्देनजर यह पहल की गई है। उन्होंने बताया कि पहली बार शहरी परकोटा क्षेत्र में चार दिवसीय उत्सव मनाया जा रहा है। इसके तहत चंदा उत्सव और विराट कवि सम्मेलन आयोजित किया। इनमें बड़ी संख्या में आमजन ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इस दौरान शहर के प्रमुख स्थानों तथा घर- घर में दीप प्रज्वलित किए गए। वहीं शहर के विभिन्न मोहल्लों और चौक में भी आमजन के सहयोग से दीप प्रज्वलित किए। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में इन कार्यक्रमों को और अधिक भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। भाजपा नेता राजकुमार किराडू ने कहा कि विधायक व्यास ने आमजन को नगर स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाने के लिए प्रेरित करने के साथ स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित किया है। विधायक ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले प्रवासी बीकानेरियों को एक सूत्र में पिरोने के लिए मेरी मातृभूमि मेरी जिम्मेदारी अभियान के माध्यम से अभिनव पहल की है। आने वाले समय में इसके बेहतर परिणाम आएंगे। कम्युनिटी वेलफ़ेयर सोसायटी के कन्हैया लाल भाटी ने आगंतुकों का आभार जताया। उन्होंने सोसायटी के विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान निव्या सिंह भाटी व दिनेश नाथ ने रंगोली के रंगों से बीकानेर नगर का नक्शा बनाया। प्रियंका मोदी, बाला स्वामी, तारा सांखला, मधु सोनी, मंजूलता रावत, सरस्वती भार्गव, धन्नी देवी, सरिता राठी, सीमा पारीक, माया खत्री, कांता राठौड़, इंद्रा गहलोत ने रंगों से सजाया। विधायक व्यास ने पहला दीपक जलाकर इसकी शुरुआत की। इस अवसर पर गिरिराज जोशी, पवन व्यास, मुरली व्यास, हर्षवर्धन जोशी, नारायण हर्ष, राजेश व्यास, भीम बीकानेरी, कुणाल व्यास, जेपी पारीक, अमित व्यास, तनुज सारस्वत, राधे सारस्वत, ललित व्यास, योगेश किराडू, पंकज किराडू, जयंत भादाणी, देवानंद चांवरिया, सरजू नारायण पुरोहित, त्रिलोक नारायण पुरोहित, रामचंद्र ओझा, बसंत रंगा, महेश सोनी व अनेक लोग मौजूद रहे। नगर स्थापना दिवस पर गुरुवार को होगी मेरी मातृभूमि मेरी जिम्मेदारी अभियान की शुरुआत विधायक व्यास ने बताया कि चार दिवसीय नगर स्थापना दिवस समारोह के अंतिम दिन गुरुवार को 'मेरी मातृभूमि मेरी जिम्मेदारी' अभियान का विधिवत आगाज होगा। इस दिन प्रातः 10.30 बजे लक्ष्मीनाथ मंदिर स्थित गढ़ गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद अभियान के लोगो का विमोचन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान शहर के मौजीज लोग उपस्थित रहेंगे।

खबरें फटाफट

अवैध अफीम डोडा चूरा बेचने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

खेरोदा। खेरोदा थाना पुलिस द्वारा एक युवक को अफीम डोडा चूरा बेचने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल द्वारा वांछित अभियुक्तों की धरपकड़ अभियान के तहत

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, वल्लभनगर वृताधिकारी राजेंद्र सिंह जैन के सुपरविजन में खेरोदा थानाधिकारी रामेग पाटीदार मय टीम द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत भिंडर थाने में पूर्व में गिरफ्तार अभियुक्त शांतिलाल को अफीम डोडा चूरा बेचने वाले आरोपी ललित पिता किशन लाल डांगी निवासी नोगावा मंगलवाड़ जिला चित्तौड़गढ़ को मंगलवाड चोराये से डिटेन किया। उसके बाद में न्यायालय में पेशकर पी. सी. रिमांड प्राप्त कर अग्रिम अनुसंधान जारी है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

खेरोदा। खेरोदा थाना पुलिस द्वारा नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया। जानकारी के

अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल द्वारा वांछित अभियुक्तों की धरपकड़ अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, वल्लभनगर वृताधिकारी राजेंद्र सिंह जैन के सुपरविजन में खेरोदा थानाधिकारी रामेग पाटीदार मय टीम द्वारा आसूचना के सहयोग से नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में वांछित अभियुक्त उमेश पिता बाबूलाल को डिटेन कर पूछताछ की व गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पुलिस टीम में थानाधिकारी रामेग पाटीदार,महेंद्र सिंह हेड कांस्टेबल,राजवीर कांस्टेबल थे।

ग्राम पंचायत धौला में महिला अधिकारिता ग्राम साथिनों के साथ कानूनी कार्यशाला

संजीवनी टुडे

जमवारामगढ़। ग्राम पंचायत धौला में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र जमवारामगढ़ ग्रामीण की ओर से बुधवार को कानूनी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महिला अधिकारिता सुपरवाइजर हेमा मीणा और जमवारामगढ़ ग्राम साथिनों ने भाग लिया। कार्यशाला में काउंसलर ईशा शर्मा ने महिलाओं को महिला संबंधी कानूनों की जानकारी दी। इस दौरान घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, साइबर क्राइम, सीनियर सिटीजन, महिलाओं की शिक्षा, कन्या भ्रूण हत्या, छेड़छाड़, बाल-विवाह कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन, दहेज उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न, पोक्सो के बारे में जानकारी दी। महिलाओं ने अपने क्षेत्र में होने वाली हिंसा से अगवत करवाया और उन्होंने अपने अनुभव शेयर किए। कार्यशाला में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र द्वारा किए जा रहे काम की जानकारी दी। इस दौरान बच्चियों की शिक्षा, वृद्ध महिलाओं के साथ किया जा रहा व्यवहार और ऑनलाइन ठगी के मामलों को लेकर चर्चा की गई। कार्यशाला में उपस्थित सुपरवाइजर सीमा मीणा ने सभी का धन्यवाद किया।

ऑनलाइन कॉल गर्ल के नाम झांसा देकर भारी मात्रा मे रूपये ऐंठने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

सलूम्बर।ऑनलाइन कॉल गर्ल के नाम झांसा देकर भारी मात्रा मे रूपये ऐंठने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अरशद अली द्वारा साईबर सबंधित अपराधो की रोकथाम हेतु दिये गये निर्देशन पर पुलिस निरीक्षक वीना लोठ के निकट सुपरविजन में साईबर सेल टीम द्वारा जिला सलूम्बर में हो रहे साईबर अपराध पर निगरानी करते हुए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ज्ञात किया कि हितेश पटेल पिता रामजी पटेल निवासी ईंटाली खेडा फला वातडा पुलिस थाना झल्लारा जिला सलूम्बर द्वारा टेलीग्राम एप्प के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से ऑलनाईल लडकियां उपलब्ध करवाने के लिए बुकिंग के नाम पर रुपये ऐठे जा रहे है।इस पर हितेश पटेल की साईबर टीम द्वारा तलाश की गयी तो हितेश पटेल वर्तमान में राधे गेस्ट हाउस लकापा चौकी अदकालिया में नौकरी करना ज्ञात हुआ।जिस पर उक्त सुचना पर थानाधिकारी पुलिस थाना सलुम्बर द्वारा अग्रीम कार्यवाही करते हुए अभियुक्त हितेश पटेल के कब्जे से अपराध में उपयोग किये जा रहे दो मोबाईल जब्त कर मौके से गिरफतार किया गया।अग्रीम अनुसंधान वीणा लोठ द्वारा किया जा रहा है।मामले में बैंक खातों का रिकॉर्ड प्राप्त किया गया जिससे पता चला कि अभियुक्त के स्वंय के नाम तथा अपनी माता के नाम बैंक खाते में रुपये प्राप्त करता है इसके अतिरिक्त अपने साथियों के खातों को प्रयोग में लिया गया है।

एक ही सरकारी स्कूल के टीचर आपस में झगड़े: उदयपुरिया जागीर स्कूल का मामला, ग्रामीणों ने सीबीईओ को की शिकायत, शिक्षा विभाग ने गठित की जांच कमेटी

संजीवनी टुडे

सराडा।सराडा के राजकीय उच्च माध्यमिक वि. उदयपुरिया जागीर में दो टीचर के आपस में मारपीट का मामला सामने आया है।बताया जा रहा है कि शारीरिक शिक्षक महेश चन्द्र चौबीसा और किशनलाल यादव आपस में किसी मामूली बात को लेकर झगड़ गए थे।दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि स्कूल परिसर में ही दोनों गाली-गलौज करने लगे और मारपीट शुरू कर दी।स्कूल के अन्य स्टाफ बचाव के लिए दौड़े और दोनों को अलग करते हुए मामला शांत कराने की कोशिश की।स्कूली बच्चों से जब ग्रामीणों को इसका पता लगा उन्होंने भी इस घटना पर आक्रोश जताया। ग्रामीणों ने इस संबंध में पंचायत समिति सदस्य लालूराम मीणा सहित स्कूल की एसएमसी सदस्यों ने सराडा सीबीईओ को इसकी शिकायत की है। जिसमें स्कूल में मारपीट कर शांतिभंग करने और राजकार्य में बाधा पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों द्वारा सीबीईओ को दी गई रिपोर्ट में यह बताया ग्रामीणों एवं एसएमसी सदस्यों द्वारा सीबीईओ को दी गई रिपोर्ट में बताया की रा.उ. मा. विः उदपुरिया जागीर में 29 अप्रेल की आरकेएसएमबीके की परीक्षा समाप्त होते ही महेश चन्द्र चौबिसा पी.टी.आई परीक्षा कक्ष से निकलते ही समय पर किशन लाल यादव एल - 2 दौड़कर आया और हाथ पकड़कर थप्पड़ एवं गुस्से मारने लगा एवं गाली-ग्लोच करने लगा।बच्चों एवं विद्यालय स्टॉफ द्वारा दोनों को अलग कर शांत किया।

मामले मे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सराडा ने 6 मई को एक आदेश जारी कर बताया की प्रधानाचार्य राउमावि उदपुरिया जागीर के प्रार्थना पत्र दिनांक 20.4.2024 के आधार पर राउमावि उद?पुरिया जागीर में शारीरिक शिक्षक महेशचन्द्र चौबीसा पर दोपहर 1 बजे स्थानीय विद्यालय के

शिक्षक किशन लाल यादव द्वारा मारपीट किया जाना बताया गया जिस हेतु प्रार्थी महेश चन्द्र चौबीसा द्वारा पुलिस थाना सराडा में प्रार्थना पत्र दिया गया।उक्त प्रकरण की तथ्यात्मक जाँच हेतु स्थानीय ब्लॉक को राउमावि सगतडा प्रधानाचार्य इन्द्रेश कुमार सोरिख व राउमावि पाल सराडा प्रधानाचार्य धर्म कुमार मीणा को जांच दल गठित किया जाकर तीन दिवस में जांच रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रेषित करे।जिससे दोषी कार्मिक के विरुद्ध विभागीय जांच प्रस्तावित की जा सके। प्रार्थि महेश चन्द्र चौबीसा और कालूलाल सालवी रा.उ. मा. वि. उदपुरीया जागीर होकर इस प्रकार निवेदन करते है कि 1/4/2024 को विद्यालय में आरकेएसएमबीके 3 की परीक्षा समाप्ति के तुरन्त बाद करीब 1. बजे शारीरिक शिक्षक महेश चन्द्र चौबीसा से किशन लाल यादव ने अचानक गाली गलौज करते हुए घुसे मारना शुरू कर दिया तथा विद्यालय परिसर के बाल पकड कर नीचे गिरा दिया। इसी बीच शिक्षक निरजन लाल व बच्चो के द्वारा बीच बचाव कर छुड्या गया इस मार पिट दौरान महेश चन्द्र चौबीसा का शर्ट भी फट गया।

उक्त घटना को लेकर प्रधानाअध्यापक ने कालूलाल सालवी ने 1/5/2024 के दिन अभीभावक व ग्रामीणों की बैठक बुलाई लेकिन शिक्षक किशनलाल यादव अभिभावक व ग्रामीणो सामने नहीं आया तथा बाहर से ही प्राधानाचार्य कालूलाल सालवी का गाली गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी गई है और अभिभावक व ग्रामीणो के साथ भी अभद्र का व्यवहार किया।शिक्षक आय दिन विद्यालय में गाली गलौज करता रहता है तथा यह झगडालु पृवति का है।आय दिन किसी न किसी बहाने झगडा करता रहता है। उपस्थिति रजिस्टर में भी समय पर हस्ताक्षर नही करता है। व किस न किस बहाने व हमेशा झगडा करने पर उतारू रहता है। सीबीईओ नाथूलाल बुनकर का कहना है कि घटना के बाद मुझे कुछ ग्रामीणों ने शिकायत दी है जिसमें किसी बात को लेकर दो टीचर के आपस में झगड़ने की बात कही गई है।मैंने जांच टीम बनाकर स्कूल भेजी है।जांच रिपोर्ट आने पर दोषी टीचर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वही मामले को लेकर सराडा थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया की 6 को रिपोर्ट दी थी जिस पर परिवार दर्ज किया गया है।

30 साल से अकेली रह रही विधवा को प्यार के जाल में फंसाया, शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म और 21 लाख हड़पे

संजीवनी टुडे

उदयपुर। शादी का झांसा देकर विधवा महिला से पांच माह तक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने आपत्तिजनक फोटो खींचकर ब्लैकमेल किया और महिला से 21 लाख रुपए नकद और जेवर भी हड़प लिए। इस संबंध में अंबामाता थाने में मामला दर्ज हुआ । पुलिस के अनुसार एक महिला ने 4 मई को कोर्ट में इस्तगासा पेश किया, इसमें बताया कि 30 साल पहले उसके पति की मृत्यु हो गई। इसके बाद से वह अकेली रहती है। इस दौरान गत वर्ष मार्च माह में हर्ष नगर निवासी गोविंद लाल से उसकी जान-पहचान हुई। वह उसके घर आने-जाने लगा। नवंबर में वह घर आया और डरा-धमका कर उसके साथ दुष्कर्म किया। फिर आपत्तिजनक फोटो खींच लिए। घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी ने फोटो वायरल करने की धमकी देकर कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। इस बीच

ब्लैकमेल कर 10 लाख रुपए हड़प लिए। गत 3 मार्च को आरोपी शादी का झांसा देकर महिला को शहर के निकट स्थित एक मंदिर में ले गया और फोटो खींच लिए। 12 मार्च को वह रजिस्ट्री ऑफिस ले गया। वहां उसके नाम पर दो स्टांप लेकर खुद के पास रख लिए। 6 अप्रेल को आरोपी ने फिर दुष्कर्म किया और 15 तोला जेवर हड़प लिए। उसने अंबामाता थाना पुलिस और एसपी को रिपोर्ट दी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

महात्मा गाँधी इंग्लिश मीडियम स्कूल भानपुर कलां में कार्यशाला आयोजित

संजीवनी टुडे

जमवारामगढ़। महात्मा गाँधी इंग्लिश मीडियम स्कूल भानपुर कला में बुधवार को फाउंडर लर्निंग कम्यूनिटीज आजीवन ट्रस्टी (आरडीएशसी) मित्तल फाउंडेशन के तत्वावधान में सत्र 2021 के बाद नव पदस्थापित अध्यापक लेवल - एक की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जमवारामगढ़ सीबीईओ रामस्वरूप मीणा ने बताया की कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में समझ पैदा करना है ताकि शिक्षक विद्यार्थियों स्कील डवलप करते हुए बेहतर शिक्षा दे सके तथा विद्यार्थियों को नवाचार के साथ सहज शिक्षा प्रदान कर सके। कार्यशाला में अच्छा परफॉरमेंस देने वाले 10 शिक्षको का भी चयन किया गया। सीबीईओ रामस्वरूप मीणा ने कार्यशाला में शिक्षकों को मुख्यवक्ता के रूप में प्रेरणास्प्रद प्रसंग सुनाकर अध्यापकों को बेहतर शिक्षा देने के लिए प्रेरित किया। प्रिंसिपल कौशलेन्द्र मीणा ने भी कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त किये। मित्तल फाउंडेशन प्रमुख आरूषी एवं उनकी टीम द्वारा शिक्षकों को कार्यशाला में तीन घंटे तक स्कील डवलप के गुर सिखाये।

15 वाहनों का एमवी एक्ट मे बनाया चालान, एक टेम्पों मे बैठे थे 28 जने टेम्पों जप्त चालक डिटेन, मुकदमा दर्ज

संजीवनी टुडे

सलूंबर।सलूंबर थाना क्षेत्र के गामड़ा चौकी पर एएसआई महेंद्र सिंह शक्तावत मय जाप्ता ने एमवी एक्ट मे कार्यवाही कर 15 वाहनों का चालान बना कर 2100 का जुर्माना वसूल किया।एएसआई महेंद्र सिंह शक्तावत ने बताया की बुधवार को समय 3.41 पीएम को समय एएसआई मय हैडकानि सज्जन सिहं,कानि. धमेन्द्र सिंह के वास्ते ओवरलोडिंग वाहनों की कार्यवाही में रवाना थाना सर्कल हुआ जहा कस्बा सलुम्बर डाल चोराहा,चुंगीनाका,बस स्टेण्ड,पहुंच बनोडा तिराहा पर समय करीब 4.5 पीएम पर पहुंचे कि सामने से एक टेम्पो त्रि व्हीलर वाहन चालक लापरवाही पुर्वक तेज रफतार से टैम्पों लहराते हुए नजर आया।टेम्पों के साइड व पिछे सवारियां लटकी हुई हो ड्राईवर टेम्पों को तेज गति व लापरवाही पुर्वक

चला रहा था।जिससे दुर्घटना होने की पुर्ण सम्भावना थी।उससे टेम्पों में बैठी सवारीयों के शरीर व जान की हानि हो सकती थी।इस पर जाब्ते ने टेम्पो चालक को हाथ का इशारा दे रोका व टेम्पों की फोटोग्राफी निजी मोबाइल फोन के कैमरे से कर टेम्पों चालक को अपना नाम पता पूछा तो अपना नाम पता पूछने पर वाहन बनोडा से सलुम्बर सवारीयां लेकर आना बताया।उक्त वाहन में बैठी सवारीयों को मौके पर गिना तो अन्दर कुल 10 पुरुष व 8 महिला व बच्चें सीटों पर, साइड व पिछे 10 जने लटके हुए थे।इस प्रकार कुल 28 जने थे।जो क्षमता से अत्यधिक एंव मानव जीवन को संकटापन करने वाले थे।सवारीयों को टेम्पों से उतारकर रवाना किया तथा टेम्पों मय चालक को डिटेन कर टेम्पों को चौकी परिसर मे खड़ा करवाया गया।साथ मुकदमा दर्ज किया गया।

बी. एन. कृषि महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव हरित-वसुधा सम्पन्न

संजीवनी टुडे

उदयपुर। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय की संघटक इकाई कृषि महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव हरित-वसुधा 2024 विश्वविद्यालय के परिसर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल प्रो. शिवसिंह सांरगदेवोत (कच्छेर), कार्यवाहक अध्यक्ष, विद्याप्रचारिणी सभा, कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़ (आगरिया), मंत्री, विद्याप्रचारिणी सभा, विशिष्ट अतिथि, मोहब्बत सिंह राठौड़ (रुपाखेड़ी), प्रबंध निदेशक, भूपाल नोबल्स संस्थान, शक्ति सिंह कारोही, वित्त मंत्री, नवल सिंह जुड़ तथा राजेंद्र सिंह झाला (ताणा), संयुक्त मंत्री विद्याप्रचारिणी सभा, की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो सांरगदेवोत ने विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि कृषि भारत के विकास तथा अर्थव्यवस्था में रीड की हड्डी का काम करती है। कृषि विद्यार्थियों का भविष्य उज्जवल है तथा विद्यार्थियों को इसके लिए सतत कठिन परिश्रम करना होगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ.आगरिया ने अपने उद्बोधन में बताया कि वर्तमान समय में, विश्व परिदृश्य बड़ी तेजी से बदल रहा है। कृषि छात्रों को उद्यमिता एवं परिष्करण कर स्वयं के उद्यम से रोजगार सृजित करना चाहिए, ताकि उन्हे सरकारी नौकरियो के पीछे न भागना पड़े, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उत्पन्न हो सके। कार्यक्रम के प्रारम्भ में बी.एन.कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. दिलीप सिंह ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण तथा मेवाड़ी परम्परा अनुसार पाग पहनाकर स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में डॉ. सिंह ने कृषि महाविद्यालय द्वारा फार्म पर गेहूँ उत्पादन एवं कृषि कार्यानुभव कार्यक्रम के बारे में प्रकाश डाला। सहायक अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. फतह लाल शर्मा द्वारा महाविद्यालय का वार्षिक

प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शैक्षणिक गतिविधीयों में सुश्री नन्दिनी डोरा, द्वितीय वर्ष ने तथा वत्सल पालीवाल तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कैडेट भव्यप्रताप सिंह राणावत एवं सुश्री निकिता माली ने एनसीसी के विभिन्न शिविरों में उत्कृष्ट प्रर्दशन किया। सुश्री ज्योति चुण्डावत ने आशु भाषण, वाद-विवाद, लघु नाटिका तथा माइम में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सुश्री श्रेया भट्ट ने पोस्टर मेकिंग, मेहन्दी व नेल आर्ट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। राष्ट्रीय सेवा योजना में राजवर्धन सिंह राठौड व निखिल माली ने बेस्ट एनएसएस वोलिएंटर का पुरुस्कार जीता। प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह रुपाखेडी, वित्त मंत्री शक्ति सिंह कारोही, नवल सिंह जुड़ तथा राजेन्द्रसिंह ताणा ने पुरुस्कार वितरण के पश्चात्छात्रों को बधाई दी तथा कहा कि जिन्होंने पुरुस्कार जीते है वो तथा जो पुरुस्कार नहीं जीत पाये सभी बधाई के पात्र है, क्योकिं जो पुरुस्कार नहीं जीत पाऐ, उन्हें अगले वर्ष अधिक मेहनत के साथ प्रतियोगिता में भाग लेना है। पुरुस्कार वितरण पश्चात छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें रंगीलो म्हारो ढ़ोलड़ो, गोरबंध, घुमर, महेन्दी राचण...तथा बन्ना रे बागा में झूला गाल्या ...आदि राजस्थानी गीतों ने समा बांधा जिसमें छात्रों ने खुब झमकर डांस किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रितू मेहता ने सभी अतिथियों कर्मचारियो तथा छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

पांच हजार रुपए का इनामी अपराधी गिरफ्तार, राजकार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में था एक साल से फरार

संजीवनी टुडे

आरोपी के खिलाफ कुल 28 मामले पंजीबद्ध

चित्तौड़गढ़। डीएसटी ने पुलिस थाना बेंगू अन्तर्गत उपकारागार पर राजकार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में एक साल से फरार चल रहे पांच हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि जिले के ईनामी एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जिला विशेष टीम व समस्त थानाधिकारियों को विशेष निर्देश दिए। इसी क्रम में जिला विशेष टीम में पदस्थापित ललित सिंह को जरिये मुखबिर सूचना मिली की पुलिस थाना बेंगू के एक प्रकरण में फरार इनामी अपराधी मण्डावरी निवासी महेंद्र पुत्र रामेश्वर कंजर गिरफ्तारी से बचने के लिए गांव के आसपास के इलाकों में छिपता फिर रहा है जो बेंगू की तरफ आने वाला है म जिला विशेष टीम ने उक्त सूचना से बेंगू थाना पुलिस को अवगत कराया जिस पर थाने से एएसआई हरिराम जाप्ते सहित पिपली तिराहे पर

पहुंचे जहां महेन्द्र कंजर दिखाई दिया जिसने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे पुलिस जाप्ते ने बड़ी मुश्किल से पीछा करके पकड़ा म पुलिस ने पूछताछ के बाद इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया ।

इस मामले में था फरार

दिनांक 21.03.2023 को तात्कालिन उपकारापाल उपकारागार बेंगू गोपाल सिंह ने पुलिस थाना बेंगू पर रिपोर्ट दी कि मण्डावरी निवासी कमल पुत्र सुण्डा कंजर व महेंद्र पुत्र रामेश्वर कंजर दोनों जेल में निरुद्ध अशोक पुत्र रामदेवा कंजर व सहदेव पुत्र भरतरी से मिलने के लिए आये थेम मुलाकात करने आये उक्त दोनों व्यक्तियों ने राइफल धारी संतरी हनुमान मीणा के साथ छिनाछपटी कर राजकार्य में बाधा उत्पन्न की म उक्त प्रकरण में पुलिस ने कमल पुत्र सुण्डा कंजर को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था, किन्तु महेंद्र गिरफ्तारी से बचने के लिए छुपता फिर रहा था म जिस पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय से आरोपी की गिरफ्तारी पर पांच हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया।

आरोपी के खिलाफ कुल 28 मामले पंजीबद्ध है

आरोपी महेंद्र कंजर पर जिले के बेंगू, पारसोली व बस्सी थाने के अलावा भीलवाड़ा व पाली जिले के विभिन्न थानों पर कुल 28 मामले दर्ज हैंम जिनमें से 2 मामलों में न्यायालय द्वारा सजा सुनाई जा चुकी है एवं 22 मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं वहीं एक मामले में अनुसंधान चल रहा है।

गिरफ्तार करने वाली टीम

गोरधन सिंह पु.नि. प्रभारी जिला विशेष टीम, हरिराम सहायक उपनिरीक्षक, कांस्टेबल ललित सिंह, पिन्टुराम व विष्णु प्रसाद आदि रहे।

प्रतापगढ़ जिले में शर्मनाक घटना3 बेटे ने की प्रेम विवाह तो मां को निर्वस्त्र कर पीटा

संजीवनी टुडे

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले के छोटीसादड़ी थाना क्षेत्र में हुई शर्मनाक घटना से एक बार फिर मानवता शर्मसार हुई है। बेटी के लव मैरिज करने से नाराज परिजनों ने लड़के की मां को चौराहे पर निर्वस्त्र कर मारपीट की। वारदात सोमवार रात 9:30 बजे उस वक्त हुई जब महिला एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रही थी। घटना प्रतापगढ़ जिले के छोटीसादड़ी थाना क्षेत्र की है। डीएसपी गोपाल लाल हिंडौनिया ने बताया कि पीड़िता ने रात 12:30 बजे मामला दर्ज करवाया। रिपोर्ट में बताया कि सोमवार रात करीब 9:30 बजे एक सामाजिक कार्यक्रम के बाद घर लौट रही थी। इस दौरान चौराहे पर करीब 4-5 महिला और पुरुषों ने उसके कपड़े फाड़ दिए और मारपीट की। उनकी लड़की को भगाने का आरोप लगाया। पुलिस ने मामला दर्ज

कर मंगलवार को पीड़िता का मेडिकल करवाने के लिए प्रतापगढ़ रेफर कर दिया। जहां मंगलवार सुबह 10 बजे पीड़िता का मेडिकल करवाया गया। डीएसपी ने बताया- पीड़िता के बेटे ने एक साल पहले गांव की एक लड़की से कोर्ट मैरिज की थी। शादी के तीन-चार महीने बाद तक लड़की के परिजन नाराज रहे और छोटा-मोटा विवाद चलता रहा। सोमवार रात महिला जब सामाजिक कार्यक्रम से घर जा रही थी तब चौराहे पर कुछ महिलाएं भी थी। इनमें बोलचाल होने के बाद आपस में मारपीट हो गई। मामले की जांच की जा रही है डीएसपी गोपाल लाल हिंडोनिया ने बताया- पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है। जांच की जा रही है। पीड़िता का मेडिकल करवा लिया है। जल्द ही मामले में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने पीएचसी एवं सीएचसी पहुंचे सीएमएचओ,किया औचक निरीक्षण

संजीवनी टुडे

सराडा। सलूंबर जिले में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मरीजों को मिल सकें,इसके लिए जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सगतडा,झाड़ोल,उदपुरिया जागीर, बड़गांव सहित अन्य स्वास्थ केंद्रो का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सीएमएचओ डॉ जेपी बुनकर ने अस्पताल में उपस्थिति रजिस्टर,ओपीडी,महिला एवं पुरूष वार्ड,भंडार कक्ष,प्रसव कक्ष एवं टीकाकरण कक्ष सहित पूरे परिसर का अवलोकन किया।साथ ही ओपीडी में उपस्थित रोगियों से व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की।सीएमएचओ द्वारा साफ-सफाई व्यवस्था निरन्तर बनाए रखने व पार्किंग व्यवस्था को सुधारने के निर्देश प्रदान किए।

एक किलोग्राम अवैध अफीम सहित एक गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कोतवाली चितौड़गढ़ की कार्यवाही।

चित्तौड़गढ़। कोतवाली चित्तौड़गढ़ थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए शहर में भीलवाड़ा रोड़ से एक व्यक्ति के कब्जे से एक किलोग्राम अवैध अफीम जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ कार्यवाही के तहत एएसपी चितौड़गढ परबत सिंह एवं वृताधिकारी चितौड़गढ तेज कुमार पाठक के निर्देशन में थानाधिकारी कोतवाली चितौड़गढ़ संजीव कुमार पु.नि. व पुलिस जाप्ता हैड कानि. राधेश्याम, कानि. कन्हैयालाल, ओमप्रकाश, दिनेश कुमार व मुकेश कुमार द्वारा थाना क्षेत्र में गश्त की जा रही थी। इसी दौरान जिला कारागृह चितौड़गढ़ के

पास ईनाणी रेजिडेन्सी के सामने भीलवाड़ा रोड़ चितौड़गढ़ पर एक युवक जाप्ता पुलिस को बावर्दी देखकर भागने लगा जिसको डिटेन कर पुलिस को देख भागना संदिग्ध होने से उसके पास बेग की तलाशी ली गई तो बैग में पॉलिथीन की पारदर्शी थैली में एक किलोग्राम अवैध अफीम मिली। उक्त अवैध अफीम को जब्त कर आरोपी मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के बरदल पुलिस थाना पिपलिया मण्डी निवासी 30 वर्षीय गोविन्द पुत्र बाबूलाल भील को गिरफ्तार कर एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। गिरफ्तार आरोपी से अवैध अफीम की खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ व अनुसंधान जारी है।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

जिनकी गोली फैसला और आवाज कानून बनी ऐसे थे बागी मोहर सिंह

तिग्मांशु धुलिया निर्मित फिल्म पान सिंह तोमर का एक संवाद है कि ल्लबिहड़ में तो बागी होते है, डकैत मिलते है पार्लिमेंट में चंबल क्षेत्र के लोगों का कहना है कि हमारे यहां डाकू नहीं बागी होते है और बागी वह होते है जो व्यवस्थाओं के खिलाफ विद्रोह करता है। मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले की मेहगांव तहसील से 5 मई को ऐसे ही एक बागी की खबर आई जिन्होनें 92 साल की उम्र में अंतिम सांस ली, यह चंबल के बागी थे मोहर सिंह। मोहर सिंह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे, उन्हें मधुमेह यानि डायबटीज की बीमारी थी। बागी मोहर सिंह गरीब कन्याओं के विवाह और गरीबों की मदद के लिए क्षेत्र में एक अलग पहचान रखते थे। साठ के दशक में सबसे बडे गिरोह के मुखिया रहे मोहर सिंह तीन प्रदेशों की पुलिस के लिए सिरदर्द रहे। चंबल के बागी मोहर सिंह ने 1972 में समाजवादी जयप्रकाश नारायण के कहने पर आत्मसमर्पण कर दिया था। वह भिण्ड जिले की मेहगांव नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष भी रहे। उनके निधन के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

चंबल क्षेत्र डाकुओं और बागियों के लिए प्रसिद्ध रहा है यहां के बिहड़ों में कई नामी बागी और डाकू हुए है जिनके नाम से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लोग कांपते थे। लेकिन 5 मई को दस्यु हुए बागी मोहर सिंह के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। बागी मोहर सिंह का 60 के दशक में ये ऐसा नाम था जिसकी बंदूक ने तीन राज्यों की पुलिस के कान बहरे कर दिये थे। 150 बागियों की गैंग बनाकर मोहर सिंह ने तमाम हत्या, पकड़ और वसूली की वारदातों को अंजाम दिया था। 1958 में पहला अपराध करने से लेकर 1972 में समाजवादी जयप्रकाश नारायण के सामने उन्होनें आत्मसमर्पण कर दिया था। आत्मसमर्पण के पहले तक बागी मोहर सिंह के सिर पर 2 लाख का इनाम था जबकि उनकी पूरी गैंग पर 12 लाख का इनाम सरकार ने घोषित किया था। पुलिस फाइल में 315 मामले मोहर सिंह के नाम से दर्ज थे जिसमें 85 हत्या के मामले भी थे। समाजवादी जयप्रकाश नारायण के सामने 14 अप्रैल 1972 को मुरैना जिले के जौरा में महात्मा गांधी की तस्वीर के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। जिसके बाद उन्होंने सजा काटकर राजनीति में कदम रखा और मेहगांव नगर पालिका में पंचायत परिषद के अध्यक्ष चुने गए। अपने 5 साल के कार्यकाल में उन्होंने जनता को परेशान नहीं होने दिया। जिसकी चलते ही उनकी अंतिम सांस तक लोगों के दिलों में उनके लिए इज्जत और सम्मान रहा। मोहर सिंह ने एक साक्षात्कार में बताया था कि जब वे चंबल के बीहड़ों में कूदे, तब वे नाबालिग थे। इसी वजह से किसी भी गैंग ने उन्हें शामिल नहीं किया। लोग उन्हें नौसिखिया कहते थे। इसे उन्होंने एक चुनौती माना और फिर 150 बागियों की खुद की गैंग खड़ी कर दी। बागी मोहर सिंह के बताया था कि बागी रहते चंबल के जंगलों में उनकी गैंग की बंदूक से निकली गोलियों का शिकार ज्यादातर पुलिस वाले और पुलिस-मुखबिर हुए थे। जिन्हें उन्होंने और उनकी गैंग ने गोलियों से भून डाला था। वह कहते थे कि अब उन्हें कत्लों की सही संख्या तो याद नहीं, मगर 15-20 हत्याओं की याद है। जबकि पुलिस रिकॉर्ड में मोहर सिंह और उनके गैंग के नाम 80 से ज्यादा हत्याएं और 350 से ज्यादा लूट, अपहरण, डकैतियां और हत्या की कोशिशों के मामले दर्ज रहे। बागी मोहर सिंह अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताते थे कि, 'जब मैं चंबल में कूदा उस वक्त उम्र बहुत कम थी। उम्र के हिसाब से समझ भी कम रही। अगर यह कहूं कि 'दिमाग' से जीरो और दिलेरी में हीरो था तो गलत नहीं होगा। सोचा कि घाटी में किसी बड़े गैंग में पहले शामिल होकर महारत हासिल कर लूं, मगर किसी गैंग ने नौसिखिया और छुट भैय्या होने के कारण सीधे मुंह बात नहीं की। बाद में उस जमाने में 150 आदमी का अपना खुद का गैंग खड़ा कर दिया। चंबल में पचास के दशक में जैसे बागियों की एक पूरी बाढ़ आई थी। मानसिंह, रूपा, लाखन, गब्बर, सुल्ताना जैसे डाकूओं से चंबल थर-थर कांप रहा था। वहीं साठ के दशक की शुरूआत में इनमें से ज्यादातर डाकू पुलिस की गोलियों का निशाना बन चुके थे या फिर उनके गैंग छोटे हो चुके थे। लेकिन तभी मोहर सिंह ने चंबल के बिहड़ों में अपनी दस्तक दी। जिसे बाद में चंबल का राजा भी कहा जाने लगा। उन दिनों चंबल घाटी में बागी मानसिंह के बाद सबसे बड़ा नाम मोहर सिंह का था। मोहर सिंह के पास डेढ़ सौ से ज्यादा दस्यु थे। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान की पुलिस फाइलों में बागी मोहर सिंह का नाम चंबल के दस्यु गिरोह में क-1 यानि दुश्मन नंबर एक के तौर पर दर्ज था।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

लाखों क्राँतिकारियों के बलिदान का जिक्र तक नहीं

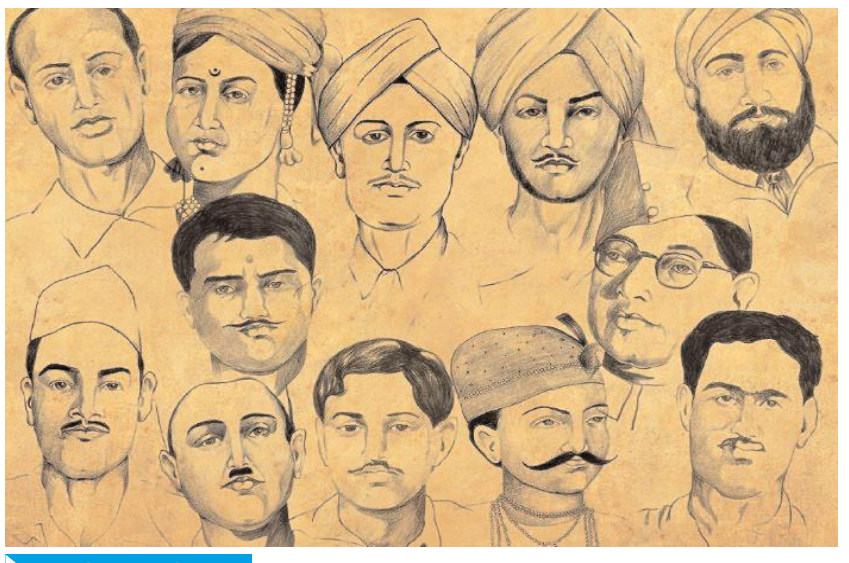

पूरी दुनियाँ में भारत का अतीत विशिष्ट है । शोध अनुसंधान और साँस्कृतिक विरासत में ही नहीं अपितु आक्रांताओं के अत्याचार, दासत्व की लंबी अवधि और स्वतंत्रता संघर्ष की आहुतियों में भी । लगभग हजार वर्ष के संघर्ष और अपने प्राणों की आहुति देने वालों के आकड़े करोड़ों में हैं । उनमें अधिकाँश का उल्लेख तक नहीं । संघर्ष में 1857 की क्राँति का इतिहास ऐसा ही है जिसमें लाखों सैनिक बलिदान हुये । क्रांति के दमन के लिये सामुदायिक सिर कलम किये गये, गाँव के गाँव जलाये गये, इनका संदर्भ तो आता है लेकिन इन बलिदानियों का विवरण कहीं नहीं मिलता । संभव है इनका विवरण उन लाखों दस्तावेजों में हो जो अभी पढ़े तक नहीं गये । इस क्रांति के आरंभ होने की तिथि अलग-अलग इतिहासकार अलग-अलग मानते हैं । कुछ इतिहासकार क्रांति के आरंभ होने की तिथि बंगाल इन्फैन्ट्री के सिपाही मंगल पांडे के विद्रोह से मानते हैं यह तिथि 29 मार्च 1857 है । तो कुछ इतिहासकार 10 मई 1857 मानते हैं । इस तिथि को मेरठ इन्फैन्ट्री के सिपाहियों ने दिल्ली कूच किया था । हालाँकि मार्च से मई तक प्रतिदिन कुछ न कुछ घटनाएं घटीं हैं । अप्रैल में मंगल पांडे सहित अनेक सैनिकों को फाँसी दे गई थी इन तमाम तनाव के चलते 6 मई को बंगाल की वह बटालियन भंग कर दी गई थी जिसमें मंगल पांडे सिपाही थे । लेकिन अधिकांश इतिहास कार क्रांति के आरंभ की तिथि नौ मई 1857 मानते हैं । इस दिन मेरठ इन्फैन्ट्री के 85 घुड़सवार सिपाहियों ने विद्रोह का बिगुल बजाया था । इन सबका कोर्ट मार्शल हुआ । वस इसके साथ ही इन्फैन्ट्री के अधिकाँश सिपाहियों ने हथियार उठा लिये, छावनी पदस्थ अंग्रेज अफसरों को बंदी बना लिया और अगले दिन 10 मई को दिल्ली कूच कर दिया था ।

भारत की स्वतंत्रता के लिये अब तक हुये संघर्षों में सबसे व्यापक था जिसमें भारत के हर हिस्से से अंग्रेजों के विरुद्ध आवाज उठी थी । यह केवल सैनिकों भर का संघर्ष न था । इसमें हर वर्ग और हर क्षेत्र का व्यक्ति जुड़ा था । इन सबके अपने अपने कारण थे । अंग्रेजों ने कदम दर कदम अपने पैर जमाये, सत्ता पर काबिज हुये और भारत में भारतीयों का दमन शुरु किया । आज अतीत की घटनायें हमारे सामने हैं । हम एक एक घटना की समीक्षा कर सकते हैं । यदि संपूर्ण इतिहास पर समग्र दृष्टि डालें तो अंग्रेजों की क्रमबद्ध कुटिलता का आभास होगा । उन्होंने पहले चरण में व्यापार की अनुमति ली, फिर व्यापार में कुछ रियायतें । इसके बाद रियासतों के दरबार में अपना स्थान बनाया, फिर स्वयं की सुरक्षा के नाम पर सुरक्षा कर्मी नियुक्त करने की अनुमति ली । फिर रियासतों अंदरूनी कलह में हस्तक्षेप आरंभ किया फिर रियासतों के उत्तराधिकार में हस्तक्षेप आरंभ किया किया और धीरे धीरे रियासतों पर कब्जा करना आरंभ किया । उन्होंने भारतीय शासकों को पेंशन देकर किनारे करके सीधे अपना शासन स्थापित किया । अंग्रेजों का हमला मध्यकाल के हमलों से एक कदम आगे था । मध्यकाल में अब तक हुये हमलों का आधार लूट, धर्म और सत्ता स्थापित करना था । लेकिन अंग्रेजों का हमला एक कदम आगे था । अंग्रेजों का उद्देश्य लूट, सत्ता और अपने धर्म की स्थापना तो थी ही साथ ही सामाजिक हमला भी था । उन्होंने समाज की जीवन शैली में बल पूर्वक बदलाव आरंभ कर दिये थे । उन्होंने 1850 में हिन्दू उत्तराधिकार कानून बनाया । जो इलाके सीधे कंपनी के अधिकार में थे वहां संपत्ति उत्तराधिकार उन्ही को मिलता जो ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गये थे ।

अंग्रेजों ने जो सेना गठित की उसमें 85 प्रतिशत सैनिक भारतीय थे लेकिन उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार था । उनका कोई सम्मान नहीं था । उन दिनों भारत में कुटीर उद्योगों का जाल बिछा था । स्थानीय आवश्यकता की प्रत्येक वस्तु का उत्पादन स्थानीय स्तर पर होता था । इससे एक नमक को छोड़कर शेष सभी गाँव की जरूरतें गाँव में ही पूरी हो जाती थीं । यहां तक कि औषधि निर्माण भी स्थानीय स्तर पर होता था । अंग्रेजों ने इस सब को तबाह कर दिया था । इंग्लैंड में बना सामान खपाया जाने लगा । इससे आजीविका की समस्या खड़ी हुई । राजस्व बसूलने और टेक्स बढ़ाने के नये नये बहाने खोजे गये । अंग्रेजों ने अपने कानून भारतीय समाज पर ही लागू न किये थे बल्कि राजाओं पर भी लागू कर दिये थे । अंग्रेजों ने 1854 में एक दत्तक उत्तराधिकार कानून लागू किया इसमें यदि किसी शासक की अपनी संतान नहीं होती थी वह किसी दत्तक संतान को उत्तराधिकारी नहीं बना सकता था । वह रियासत सीधे ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकार में चली जाती थी । यह सब चल ही रहा था कि भारत में एक रायफल आई जिसके कारतूस को मुँह से खोलना होता है । यह रायफल 1956 में भारत आई जो 1853 में निर्मित हुई थी । इस रायफल के साथ यह बात फैली कि इसमें डाले जाने वाले कारतूस के कवर में सुअर की चर्बी और गाय के मांस का पुट है । इसी का सबसे पहला विरोध बंगाल इन्फैन्ट्री में मंगल पांडे ने किया था । कुछ सिपाही साथ आये । अंग्रेजों ने क्रांतिकारी मंगल पाण्डे और उनके साथियों को फाँसी दी । इसके साथ इन्फैन्ट्री में दमन शुरु हुआ । लेकिन अंग्रेजों का दमन सफल न हो पाया । असंतोष बढ़ता गया । बंगाल इन्फैन्ट्री की बात देश भर में फैलने लगी । न केवल छावनियों में अपितु समाज के अन्य वर्गों में भी । छावनियों में सुगबुगाहट शुरु हो गयी । इसके साथ अंग्रेजों के विरुद्ध जन जागरण आरंभ हो गया । समाज में गुप्त बैठकें आरंभ हो गयीं जो लोग अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष कर रहे थे उन्हे सहायता देने की रणनीति पर विचार होने लगा । इसी की शुरुआत मेरठ से हुई । वह नौ मई का दिन था । मेरठ इन्फैन्ट्री में घुड़सवार बटालियन थी जिसमें कुल 90 सिपाही थे । इनमें से 85 ने परेड में हिस्सा लेने से इंकार कर दिया वे बंदी बना लिये गये । इसका विद्रोह हुआ और अन्य सिपाहियों ने विद्रोह आरंभ कर दिया । पूरे शहर में सिपाही फैल गये, कोतवाली पर कब्जा कर लिया गया । कोतवाल धन सिंह के नेतृत्व में एक समूह ने जेल पर हमला बोला और वहां कैद 836 कैदियों को छुड़ा लिया गया । दस मई को क्राँतिकारियों ने दिल्ली कूच किया । 11 को दिल्ली घेर ली गई । 12 मई को दिल्ली पर अधिकार करके अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर की बादशाहत घोषित कर दी गई ।

यह खबर पूरे देश में फैली जिसकी प्रतिक्रिया लखनऊ, भोपाल मालवा कानपुर बरेली आदि कुल 19 स्थानों पर हुई । समाज और सैनिक साथ साथ निकले । न जाति का भेद रहा न धर्म का, न राजा का भेद था न सेवक का । यदि लखनऊ की बेगम और झासी की रानी हाथ में तलवार लेकर मैदान में आईं तो कानपुर की नगर वधु ने भी कंधे से कंधा मिलाकर क्रांति युद्ध में हिस्सा लिया । इसी प्रकार क्रातिकारियों का जो समूह दिल्ली पहुँचा था उसमें अधिकाँश हिन्दू थे फिर भी सर्व सम्मति से मुगल बादशाह को स्वीकार किया था । इसका अर्थ यह है कि यह क्रांति धर्म जाति, वर्ग और क्षेत्र सब प्रकार की सीमाओं से बहुत ऊपर थी । पर अंग्रेजों ने हार नहीं मानी । उन्होंने योजना से पहले इस संगठित अभियान में दरारें डालीं, कुछ को लालच से तोड़ा । और क्रांति का दमन आरंभ किया । दिल्ली में बादशाहत ज्यादा न चल सकी । मात्र साढ़े चार माह बाद 21 सितम्बर 1857 को अंग्रेजों ने दिल्ली पर पुनः अधिकार कर लिया । इसके बाद देश के विभिन्न भागों में दमन आरंभ हुआ और लगभग डेढ़ वर्ष में क्रांति का पूर्णतया दमन हो गया । अंग्रेजों द्वारा क्रांति के दमन की कहानियाँ क्रूरता और आतंक से भरी हैं

रमेश शर्मा

विचार बिन्दु

अवध, मालवा, गोंडवाना, बुन्देलखण्ड, और रूहेलखंड आदि में इस क्रांति की अग्नि सबसे प्रबल रही । अंग्रेजों का दमन इन्हीं इलाकों में सबसे अधिक हुआ । दिल्ली और उसके आसपास की बस्तियों में गाँव के गाँव जलाये गये । गाँव वालों को पकड़ कर सामूहिक हत्याएँ की गयीं । जिन ग्राम वासियों पर क्राँतिकारियों को सहयोग देने का संदेह था वहां गाँव और खेतों में आग लगा दी गयी । लोग अपने प्राण बचाने और पेट भरने के लिए भागने लगे । लोग भुखमरी से प्राण देने लगे । संयोग से इस क्रांति से ठीक एक वर्ष पहले देश में अवर्षा की स्थिति थी इस कारण फसले यूँ भी कमजोर रहीं । उस पर अंग्रेजों का आतंक और फसलों और गाँव में आग लगाने से तबाही।

जैन तीर्थ में लगा रहता है राजनीतिक एवं फ़िल्मी हस्तियों का आना-जाना

मोहनखेड़ा जैन तीर्थ पहुंचने हेतु राजगढ़ से गुरु भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था रहती है। राजगढ़ में मोहनखेड़ा पेढ़ी के नाम से विश्राम गृह है जहां से मोहनखेड़ा जाने हेतु गुरूभक्तों के लिए वाहन व्यवस्था रहती है। मोहनखेड़ा तीर्थ पर कई राजनीतिक हस्तियां भी दर्शन करने पहुंच चुकी है।

मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमिटर दुर इंदौर-अहमदाबाद राजमार्ग पर राजगढ़ के समीप मोहनखेड़ा जैन समाज का एक प्रमुख श्वेताम्बर तीर्थ स्थल है। समय-समय पर मोहनखेड़ा में अनेक चमत्कार हुए है। जैन समाज की अटूट आस्था मोहनखेड़ा तीर्थ से जुड़ी हुई है। जैन समाज के छोटे-बड़े मंदिरों के साथ ही यहां पर जैन समाज के 68 वें गुरूदेवेश श्री राजेन्द्र सूरीश्वर जी महाराज साहब का विशाल समाधी मंदिर बना हुआ है। हर वर्ष गुरु सप्तमी पर यहां मेला लगता है। इस दिन यहां देशभर सहित विदेश से भी गुरू भक्त दर्शन- वंदन करने पहुंचते है। मोहनखेड़ा जैन तीर्थ पर कई बड़ी राजनीतिक हस्तियां एवं फिल्मी अभिनेता भी अपना शीश झुकाने पहुंच चुके है। राजेन्द्र सूरीश्वर जी के सामने जो भी मन्नत रखते हैं वह पूर्ण होती है।

बताया जाता है कि मोहनखेड़ा तीर्थ स्थल का नाम पहले खेड़ा हुआ करता था। यहां आसपास जंगल था। राजेन्द्र सूरीश्वरजी ने मोहनखेड़ा में आदिनाथ भगवान के मंदिर का निर्माण करवाया था। जैन समाज के 68 वें गुरूदेवेश श्री राजेन्द्र सूरिश्वरजी म.सा. जावरा से विहार करते हुए राजगढ़ पहुंचे थे। राजगढ़ में 21 दिसंबर 1906 को पोष सुदी सप्तमी के दिन राजेन्द्र सूरीश्वरजी ने अंतीम सांस ली थी। जिसके बाद समाजनों ने मोहनखेड़ा में उनका अंतिम संस्कार कर समाधी मंदिर की स्थापना की। समाजजनों ने तीर्थ का समय-समय पर विकास किया। आज माहेनखेड़ा तीर्थ पर स्वर्ण मंदिर का निर्माण हो चुका है। प्रतिदिन यहां गुरूभक्तों का आवागमन रहता है। तीर्थ पर दादा गुरूदेव राजेन्द्र सूरीश्वरजी, यतिन्द्र सूरीश्वरजी, विद्याचन्द्र सूरीश्वरजी, हैमेन्द्र सूरीश्वरजी की समाधी के साथ-साथ आचार्य रविन्द्र सूरीश्वरजी के समाधी मंदिर का भी निर्माण हो चुका है।

मोहनखेड़ा जैन तीर्थ पहुंचने हेतु राजगढ़ से गुरु भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था रहती है। राजगढ़ में मोहनखेड़ा पेढ़ी के नाम से विश्राम गृह है जहां से मोहनखेड़ा जाने हेतु गुरूभक्तों के लिए वाहन व्यवस्था रहती है। मोहनखेड़ा तीर्थ पर कई राजनीतिक हस्तियां भी दर्शन करने पहुंच चुकी है। पूर्व राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित कई बड़ी राजनीतिक हस्तियां यहां अपनी मनोकामना लेकर अपना शीश झुका चुके हैं। साथ ही फिल्मी अभिनेता सनी देओल, मशहूर गायक दलेर मेहंदी सहित कई फिल्मी हस्तियां भी मोहनखेड़ा पहुंच चुके है। हर वर्ष बड़े सेलेब्रेटी का यहां आना-जाना लगा रहता है।

मोहनखेड़ा तीर्थ मानव सेवा एवं जीवदया का अनूठा केन्द्र है। यहां के तीर्थ प्रेरक गच्छाधिपती आचार्य श्री ऋषभचन्द्र सूरिश्वरजी म.सा. की प्रेरणा से श्री राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर पेढ़ी ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष जीवदया एवं मानव सेवा हेतु अनेक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। साथ ही आचार्य श्री की प्रेरणा से लगातार तीर्थ का विकास हो रहा है। मोहनखेड़ा तीर्थ पर माह पोष सुदी सप्तमी को विशाल मेले का अयोजन होता है। इस दिन देश-विदेश से लाखों गुरुभक्तों यहां पहुंचते है।

09 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

2000 जाफना प्रायःद्वीप के एलीफेंट दर्रे पर कब्ज़े के लिए लिट्टे के साथ हुए संघर्ष में श्रीलंका के 358 सैनिक मारे गये।

2002 कराची विस्फोट में पाकिस्तान के ही संगठन का हाथ होने के संकेत।

2004 चेचेन्या में एक विस्फोट में वहाँ के राष्ट्रपति अखमद कादरोव का निधन।

2005 मास्को में रूस द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी सेना पर विजय की 60वीं वर्षगांठ के जलसों में भारत के प्रधानमंत्री डाक्टर मनमोहन सिंह ने भाग लिया।

2008 अमेरिका ने पाकिस्तान को 8.1 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता देने से इन्कार किया।

जन्मे व्यक्ति

1540 महाराणा प्रताप, उदयपुर, मेवाड़ में शिशोदिया राजवंश के राजा

1866 गोपाल कृष्ण गोखले, स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी, विचारक एवं सुधारक थे।

1836 फ़र्डिनांड मोनोयेर - प्रसिद्ध फ़्राँसीसी नेत्र रोग विशेषज्ञ थे।

1935 - स्नेहमयी चौधरी - प्रसिद्ध हिन्दी कवयित्री

1661 - जहाँदारशाह - बहादुरशाह प्रथम के चार पुत्रों में से एक था।

निधन

1959 भवानी दयाल संन्यासी - राष्ट्रवादी, हिंदी सेवी और आर्यसमाजी थे।

महाराणा प्रताप हिन्दुआ सूरज

विचार बिन्दु

रीना मीना

सुलह न होने पर विश्व प्रसिद्ध हल्दीघाटी का युद्ध हुआ इस युद्ध में मानसिंह में अपना पड़ाव खमनोर गांव से 2 मील दूर' 'मोलेला गांव' 'में डाला जबकि प्रताप ने' 'लोसिंग गांव' 'में अपना पड़ाव डाला मुगल सेना में हरावल का नेतृत्व सैयद हाशिम कर रहा था।

मेवाड़ के गौरवपूर्ण इतिहास के कारण यहा के शासकों को''हिंदुआ सूरज''कहा जाता है प्राचीन काल में मेवाड़ को''मेदपाट''भी कहते थे। महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई रविवार1540 ईस्वी विक्रम संवत 1597 जेष्ठ शुक्ल तृतीया को हुआ था।यह महाराणा उदय सिंह और जयवंता बाई(जीवंत कंवर) (पाली के अखैराज सोनगरा की पुत्री)के पुत्र थे प्रताप का जन्म कुंभलगढ़ दुर्ग(राजसमंद)में''पगला पोल''के पास (झालिया का मालिया)झाली रानी का महल में हुआ बचपन में प्रताप को''कीका'' के नाम से जाना जाता था आज उसी वीर शिरोमणि प्रताप की 481वीं जयंती है। महाराणा प्रताप का राज्याभिषेक पिता उदय सिंह की मृत्यु के बाद 28 फरवरी गुरुवार 1572 ईस्वी होली के दिन हुआ मेवाड़ परंपरा अनुसार महाराणा प्रताप उस दिन''अहेड़ा का शिकार''करने जंगल गए। मुगल सम्राट अकबर को मेवाड़ की स्वतंत्रतखटकने लगी तो अकबर ने चार प्रतिनिधि मंडल महाराणा प्रताप के पास समझाने के लिए भेजें सितंबर 1572 में जलाल खाँ कोरची,अप्रैल1573में आमेर के राजा मानसिंह,सितंबर-अक्टूबर 1573 में भगवंतदास,दिसंबर 1573 में राजा टोडरमल।

सुलह न होने पर विश्व प्रसिद्ध हल्दीघाटी का युद्ध हुआ इस युद्ध में मानसिंह में अपना पड़ाव खमनोर गांव से 2 मील दूर''मोलेला गांव''में डाला जबकि प्रताप ने''लोसिंग गांव''में अपना पड़ाव डाला मुगल सेना में हरावल का नेतृत्व सैयद हाशिम कर रहा था उसके साथ मोहम्मद बादख्शी रफी,राजा जगन्नाथ और आसफ खाँ थे।प्रताप की सेना में हरावल का नेतृत्व हकीम खाँ सूर कर रहा था और महाराणा प्रताप स्वयं भामाशाह व उसके भाई ताराचंद के साथ केंद्र में थे। 18 जून 1576 को प्रातः काल युद्ध आरंभ हुआ जिसको हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जाना जाता है इस युद्ध में प्रताप की तरफ से हाथी''लूना''का मुकाबला मुगलों के हाथी''गजमुक्त''से हुआ गजमुक्त घायल होकर भागने वाला ही था कि लूना का महावत तीर लगने से घायल हो गया और लूना लौट पड़ा तब राणा प्रताप के प्रसिद्ध हाथी''रामप्रसाद''को मैदान में उतारा गया जिसका संचालन राम साह का पुत्र प्रताप सिंह तंवर कर रहा था मुगल सेना का हाथी''गजराज''रामप्रसाद का सामना कर रहा था गजराज हारने लगा तो मुगल सेना ने एक और हाथी''रणमंदर''को मैदान में उतार दिया दोनों हाथियों को रामप्रसाद ने धूल चटा दी परंतु दुर्भाग्य से रामप्रसाद का महावत मारा गया तब हुसैनखाँ ने अपने हाथी से उछलकर रामप्रसाद को अपने बस में कर लिया था।

मानसिंह ''मरदाना''नामक हाथी पर सवार था प्रताप को जब मानसिंह नजर आया तो प्रताप के घोड़े चेतक में अपने दोनों पैर हाथी के मस्तक पर टिका दिए और प्रताप ने अपने भाले से मानसिंह पर बार किया पर मानसिंह बच गया हाथी की सूंड में बंधे खंजरो से चेतक घायल हो गया प्रताप को चारों तरफ से सैनिकों से घीरा देखकर बड़ी सादड़ी के झाला बीदा ने राजकीय छत्र उतारकर स्वयं धारण कर लिए इससे मुगल सैनिकों का ध्यान प्रताप से हट गया और हाकिम खाँ सूर प्रताप को युद्ध क्षेत्र से बाहर ले गया 2 मील दूर बलीचा गांव में चेतक घायल होने के कारण शहीद हो गया।रणक्षेत्र मे झाला बीदा ने लडते हुये अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इस भीषण युद्ध में मानसिंह ना तो प्रताप को पकड़ सका और ना पराजित कर सका आरंभ में महाराणा प्रताप की सेना का आक्रमण इतना भयंकर था की मुगल सेना के पैर उखड़ गए परंतु मुगल सेना का चंदावल (सबसे पीछे की पंक्ति)का नेतृत्व मिहत्तर खा कर रहा था जो यह चिल्लाता हुआ आया''कि बादशाह सलामत एक बड़ी सेना लेकर स्वयं आ रहे हैं''यह सुनकर मुगल सैनिको के पांव वापस युद्ध में जम गए और वे उत्साह से लड़ने लगे

इसके बाद प्रताप ने अपनी राजधानी कमलनाथ पर्वत पर''आवरगढ़''बनाई और अकबर ने महाराणा प्रताप को कुचलने के लिए 3वार शाहवाज खाँ को भेजा पर वह तीनों ही बार असफल रहा। अंत में महाराणा प्रताप ने अपनी राजधानी चावंड को बनाया जहां पर धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाते समय इस वीर को चोट लगी जिसके कारण 19 जनवरी 1597 को प्रताप का निधन हुआ चावंड के पास 2 मील दूर बडोली गांव के निकट बहने वाले नाले के किनारे प्रताप का दाह संस्कार किया गया जहां पर तलाब के मध्य में आज भी प्रताप की छतरी(स्मारक)बने हुए हैं जिनके दर्शन करने का सौभाग्य लेखक को मिला है।

चमत्कारी है 'सहजन'

सहजन (ड्रमस्टिक्स) या मुनगा जड़ से लेकर फूल और पत्तियों तक सेहत का खजाना है। सहजन के ताजे फूल हर्बल टॉनिक है। इसका वनस्पति नाम मोरिंगा ओलिफेरा है। इसकी पत्ती में कई ऐसे पोषक तत्व पाए गए हैं, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी लाभदायक हैं। फिलीपीन्स, मैक्सिको, श्रीलंका, मलेशिया आदि देशों में भी सहजन का उपयोग बहुत अधिक किया जाता है। दक्षिण भारत में व्यंजनों में इसका उपयोग खूब किया जाता है। सहजन के बीज से तेल निकाला जाता है और छाल पत्ती, गोंद, जड़ आदि से आयुर्वेदिक दवाएं तैयार की जाती हैं। आयुर्वेद में 300 रोगों का सहजन से उपचार बताया गया है। इसीलिए आज हम आपको परिचित करवाने जा रहे हैं। सहजन की कुछ खास उपयोगिताओं व इसके गुणों से .....

सहजन में छिपा है त्वचा की खूबसूरती का राज

सुरजना या सहजन

सहजन या सुरजने का समूचा पेड़ ही चिकित्सा के काम आता है। इसे जादू का पेड़ भी कहा जाता है। त्वचा रोग के इलाज में इसका विशेष स्थान है। सहजन के बीज धूप से होने वाले दुष्प्रभावों से रक्षा करते हैं। अक्सर इन्हें पीसकर डे केअर क्रीम में इस्तेमाल किया जाता है। बीजों का दरदरा पेस्ट चेहरे की मृत त्वचा को हटाने के लिए स्क्रब के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। फेस मास्क बनाने के लिए सहजन के बीजों के अलावा कुछ और मसाले भी मिलाना पड़ते हैं।

सहजन के बीज है फायदेमंद

सहजन के बीजों का तेल सूखी त्वचा के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह एक ताकतवर मॉश्चराइजर है। इसके पेस्ट से खुरदुरी और एलर्जिक त्वचा का बेहतर इलाज किया जा सकता है। सहजन के पेड़ की छाल गोखरू, कील और बिवाइयों के इलाज की अक्सीर दवा मानी जाती है। इसके बीजों का तेल शिशुओं की मालिश के लिए प्रयोग किया जाता है। त्वचा साफ करने के लिए सहजन के बीजों का सत्व कॉस्मेटिक उद्योगों में बेहद लोकप्रिय है। सत्व के जरिए त्वचा की गहराई में छिपे विषैले तत्व बाहर निकाले जा सकते हैं। मृत त्वचा के पुनर्जीवन के लिए इससे बेहतर कोई रसायन नहीं है। धूम्रपान के धुएँ और भारी धातुओं के विषैले प्रभावों को दूर करने में सहजन के बीजों के सत्व का प्रयोग सफल साबित हुआ है। सहजन के बीजों का पेस्ट त्वचा के रंग और टोन को साफ रखने में मदद करता है।

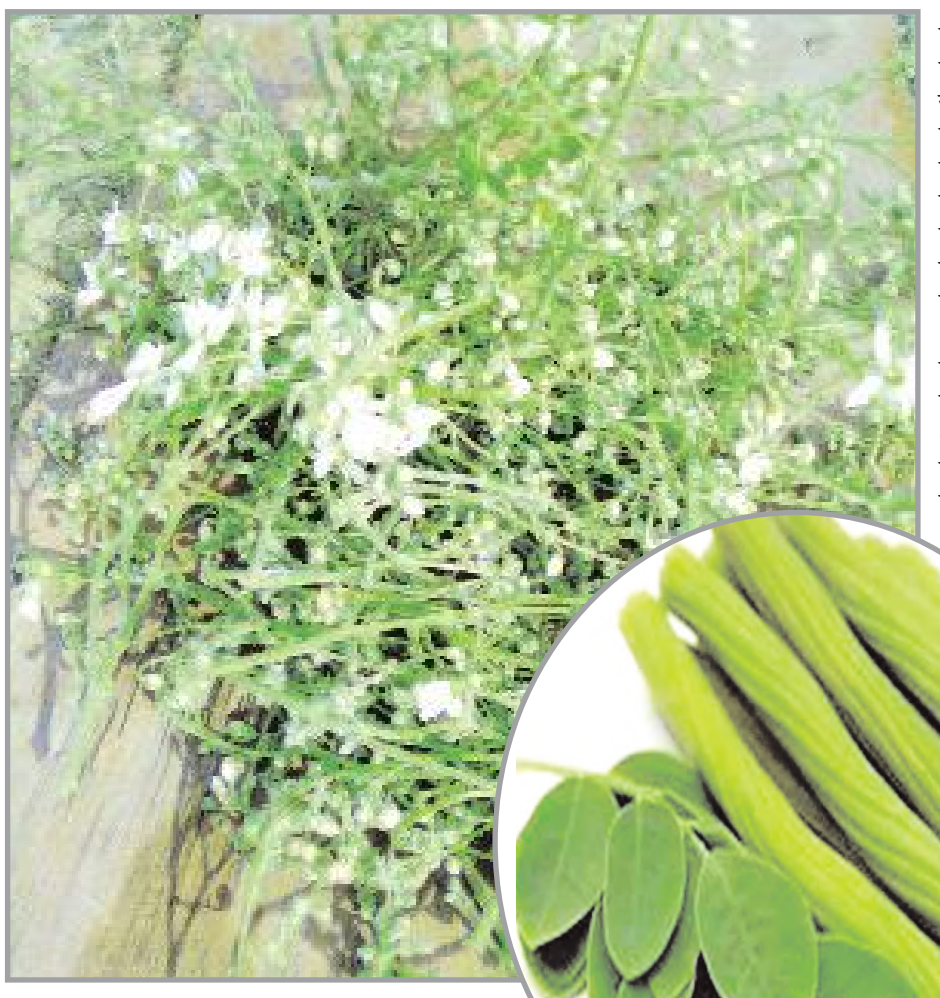

औषधीय गुण

तमाम शोध सर्वेक्षणों से इस बात की पुष्टि हुई है कि सहजन में औषधीय गुण पाये जाते हैं। विशेषकर पुरुषों के लिये यह काफी लाभपद है। औषधीय तत्वों के कारण ये कई रोगों में भी उपयोगी साबित हुआ है। इसकी तासीर गर्म होने के कारण इसमें उत्तम वीर्यवर्द्धक गुण पाए जाते है। यही नहीं इसमें लौह तत्व भी मौजूद है जो कि रक्त सम्बंधी समस्याओं के लिये लाभकारी साबित हुए हैं। चूंकि यह गर्म है इसलिये इसका सवेन सर्दियों में ज्यादा किया सकता है। जहिर है जब औषधीय गुणों से लैस घर में सहज हमेशा उपलब्ध हो बीमारी आसपास भी नहीं मंडराती है। खानपान विशेषज्ञ भी इसे अपने खानपान में शामिल करने की खास हिदायत देते हैं।

जीवन की ज्योति है आंख

हैल्थ संवाददाता

यह तो हम सब जानते हैं कि आंखें प्रकृति की अनुपम देन हैं पर इस अनुपम देन की देखभाल करना भी मनुष्य के लिए बहुत जरूरी है। अगर इनकी उचित देखभाल न की जाये तो इस अमूल्य देन से हम वंचित हो सकते हैं।

आहार का रखें ध्यान

आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है आपके शरीर का स्वास्थ्य, इसलिए स्वस्थ पौष्टिक आहार का सेवन करें। अगर आपको धुंधला दिखायी दे रहा है तो भी आंखों के डाक्टर से पूरी तरह चेकअप करवायें। यह नहीं कि सीधे आप्टीशियन के पास चले जाएं। जब आप आंखों के डाक्टर से निरीक्षण कराएं तो रेटिना के साथ-साथ आंखों में दबाव की भी जांच करवाएं।

आई ड्रॉप्स का उपयोग सावधानी से

बिना डाक्टर की राय लिये आंखों में कोई भी आई-कड्राप्स मत डालें। आंखों में कोई परेशानी होने पर अधिकतर व्यक्ति बिना डाक्टर की राय लिए कोई भी आई ड्राप्स डाल लेते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि स्टीरायड दवाइयां सफेद या काले मोतियाबिंद का कारण बन सकती हैं अगर अधिक प्रयोग में लायी जायें। आई ड्राप्स प्रयोग करते समय एक्सपायरी तिथि अवश्य जांच लें।

30-60 सेकेण्ड वाले व्यायाम भी है आंखो के लिए फायदेमंद

सुबह -सुबह घास पर नंगे पैर चलने से आंखों की रोशन तेज होती है

जब आंखों में थकान या तनाव का अनुभव हो तो 'पामिंग' करें।

40 की उम्र के बाद आंखों का चेकअप वर्ष में दो बार अवश्य करवायें

सब्जियों और फलों का सेवन जरूरी

फलों व सब्जियों का सेवन भी आंखों को सुरक्षा होता है। हरी सब्जियों व फलों में पाया जाने वाला तत्व बैटा केरोटीन से सुरक्षा देता है, इसलिए अपने भोजन में गाजर, पपीते आदि बेटा केरोटीन के उत्तम स्रोतों का सेवन करें।

एरोबिक्स है जरूरी

विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि एरोबिक्स व्यायाम आंखों के लिए बेहद आवश्यक हैं, क्योंकि यह आंखों को पहुंचने वाले आक्सीजन भरे रक्त की आपूर्ति अधिक करता है।

कांटेक्ट लेंस

बच्चों को कांटेक्ट लेंस की बजाय चश्मे का प्रयोग करवाएं, क्योंकि ये पहनने में आसान तो होते ही हैं, साथ ही इनकी देखभाल भी आसान होती है। इससे आंखों में इन्फेक्शन होने का खतरा भी कम होता है, साथ ही यह कांटेक्ट लेंस की अपेक्षा अधिक सुरक्षा देता है।

आवश्यक सलाह

आँखों की पलकों को झपकाने से से आँखें थकती नहीं। नजदीक के काम (जैसे कम्प्यूटर के मानीटर को देखना) को बीच-बीच में रोक दिया करें और दूर की वस्तु को देखें। इससे भी आँखों को आराम मिलता है। जब भी आँखों को थकान या तनाव का अनुभव हो तो 'पामिंग' कर लिया करें। इससे लाभ मिलता है। व्यायाम को नियमित करने से ही लाभ मिलता है, बहुत दिनों पर या कभी-कभार करने से उतना लाभ नहीं होगा। हर घण्टे बाद 30-60 सेकेण्ड का आँखों को गति देने वाला व्यायाम भी बहुत कारगर है।

व्यायाम जो आपके आंखों को रखे तंदुरूस्त

पुतलियों की मालिश

अपनी आँखों को बन्द कर लें तथा उन्हें अपने अंगुलियों के वृत्तीय गति से एक-दो मिनट तक मालिश करें। ध्यान रहे कि आप आँखों को बहुत हल्के से ही दबाएँ और इसके पहले आपने अपने हाथों को साफ कर लिया हो ताकि आँखों को कोई नुकसान न हो। अपने दोनो हाथों की तीन अंगुलियों से आँखों की ऊपरी पुतलियों को दबाएँ। यह दबाव एक-दो सेकेण्ड तक बनाए रखें। यह क्रिया 5 बार करें। बैठ जाँय और आराम करें। अपनी आंखों को दक्षिणावर्त घुमाएँ, फिर वामावर्त घुमाएँ। यह क्रिया 5 बार करें। बीच-बीच में पलकों को झपका लें। दूर के किसी वस्तु पर नजर टिकाएँ। उसके बाद अपने सिर को बिना चलाए धीरे-धीरे करके पास की किसी बस्तु पर आँख को फोकस करें। फिर दूर की वस्तु पर आँखों को फोकस करें।

5 बार करें। किसी खिड़की से आधा फुट की दूरी पर बैठें। काँच पर, आँखों के ही स्तर पर एक निशान बना लें इस निशान से होकर देखें और दूर की किसी वस्तु को देखने की कोशिश करें। उसके बाद अपनी दृष्टि को इस निशान पर केन्द्रित करें।

6. अपने सामने एक हाथ की दूरी पर एक पेंसिल पकड़ें। धीरे-धीरे अपने हाथ को नाक की तरफ लाएँ और अपनी आंखों से पेंसिल को लगातार देखने की कोशिश करें।

आंखों का करें मसाज

दो तौलिए लीजिए, पहले तौलिए को गरम पानी में भिगो लीजिए, दूसरे को ठण्डे जल में भिगो लें।

एक तौलिए को लेकर उसे अपने चेहरे पर आँख की भौंहों, बन्द आँख की पुलतियों और गालों पर हल्के से दबाइए। एक बार गरम तौलिए से और फिर ठण्डे तौलिए से, फिर गरम से-यह क्रिया करें। अन्त में ठण्डे तौलिए से करने के बाद इसे समाप्त करें।

पूरे चेहरे की मालिश

किसी तौलिए को गरम जल में भिगो दें। आँखों को बचाते हुए अपने गर्दन, ललाट तथा गालों को इस तौलिए से रगड़ें। इसके बाद अपनी अंगुलियों के अग्रभागों से अपने ललाट तथा अपनी बन्द आँखों को हल्के से मालिश करें।

1 [illegible]

कहते है खुबसूरती का राज आंखों में छिपा होता है। खुबसुरत आंख आकर्षण लिए होती है, जिसे देखकर कोई भी आसानी से आकर्षित हो जाता है। हम अपनी आंखों की उचित देखभाल से इसे सुंदर और आकर्षक बना सकते है। हम सबको अच्छी तरह पता है कि स्वस्थ शरीर कितना महत्व रखता है और इसके लिए व्यायाम कितना जरूरी है। किन्तु बहुत कम लोगों का ध्यान इस बात पर जाता है कि आंखों का व्यायाम भी किया जा सकता है। आँख के व्यायाम करने से आंखें स्वस्थ रहतीं हैं तथा आँखों पर कम तनाव पड़ता है। ध्यान दें कि नीचे दिए गए चरण आपकी दृष्टि सुधारने के विचार से नहीं दिए गये हैं बल्कि इनसे आपकी दृष्टि पूरे दिन अपने सर्वोत्तम स्तर पर बनी रहेगी और भविष्य में दृष्टि और अधिक खराब नहीं होगी।

सहजन की छाल का पावडर

सहजन की छाल का पावडर रोज लेने से वीर्य की गुणवत्ता में सुधार होता है....! सहजन (ड्रमस्टिक्स) या मुनगा जड़ से लेकर फूल और पत्तियों तक सेहत का खजाना है। सहजन के ताजे फूल और गाय का दूध ऐसा हर्बल टॉनिक है जिससे पुरुषों की मर्दाना कमजोरी और महिलाओं में सेक्स की कमजोरी दूर होती है। सहजन की छाल का पावडर रोज लेने से वीर्य की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा पुरुषों में शीघ्रपतन की समस्या भी दूर होती है। छाल का पावडर, शहद और पानी से ऐसा मिश्रण तैयार होता है जो शीघ्रपतन की समस्या का अचूक इलाज है। मुनगा या सहजन या ड्रम स्टिक्स की करीब 50 ग्राम पत्तियों को लेकर चटनी बनाए जाए तो यह पेट के कृमियों को बाहर निकाल फेंकने में काफी कारगर होती है। चटनी बनाने के लिए पत्तियों को बारीक कुचल लिया जाए, इसमें स्वादानुसार नमक और मिर्च पाउडर भी मिला लिया जाए और इस पूरे मिश्रण को तवे या कढाही पर आधा चम्मच तेल डालकर कुछ देर भून लिया जाए। सप्ताह में एक या दो बार इस चटनी का सेवन बेहद गुणकारी होता है। सहजन की पत्तियों का सूप टीबी, ब्रोंकाइटिस तथा अस्थमा पर नियंत्रण के लिए कारगर समझा जाता है। इसका स्वाद बढ़ाने के लिए नींबू का रस, कालीमिर्च और सेंधा नमक मिलाया जा सकता है। यह हाजमें के लिए सबसे मुफीद सब्जी मानी जाती है। ताजी पत्तियों को निचोड़कर निकाले गए रस को एक चम्मच शहद तथा एक गिलास नारियल के पानी के साथ लेना चाहिए। इससे कॉलरा, डायरिया, डीसेंट्री, पीलिया तथा कोलाइटिस की समस्या में आराम मिलता है। अगर पेशाब में अधिक मात्रा में यूरिया जा रहा हो तो मरीज को सहजन की ताजी पत्तियों के निचोड़े हुए रस के साथ खीरा या गाजर के रस के मिलाकर पिला दें। इससे तत्काल आराम मिलता है।सहजन की ताजा पत्तियों के निचोड़े हुए रस के साथ नींबू के रस से मुंहासों का कारगर इलाज किया जाता है। इससे ब्लेक स्पॉट्स हटते हैं साथ ही उम्र के कारण थकी और कांतिहीन त्वचा में नई जान फूंकी जा सकती है। इसी के साथ ही सहजन के फूलों के साथ पत्तियां, सहजन के बीज और जड़ से शरीर में हुई गठानों का इलाज किया जा सकता है। जड़ रूखी और स्वाद में कड़वी होती है लेकिन फेफड़ों के लिए बढ़िया टॉनिक के रूप में काम करती है। यह कफ को बाहर निकालती है। मूत्रवर्धक होने से मूत्र संबंधी विकारों का निवारण भी करती है। जड़ों से तैयार किए गए रस से त्वचा के कई रोगों में राहत मिलती है।

सहजन के बड़े-बड़े गुण

सहजन के पत्तों का रस बच्चों के पेट के कीड़े निकालता है और उलटी दस्त भी रोकता है। सहजन फली का रस सुबह शाम पीने से उच्च रक्तचाप में लाभ होता है। सहजन की पत्तियों के रस के सेवन से मोटापा धीरे धीरे कम होने लगता है। सहजन. की छाल के काढ़े से कुल्ला करने पर दांतों के कीड़ें नष्ट होते है और दर्द में आराम मिलता है। सहजन के कोमल पत्तों का साग खाने से कब्ज दूर होती है। सहजन की जड़ का काढे को सेंधा नमक और हिंग के साथ पिने से मिर्गी के दौरों में लाभ होता है। सहजन की पत्तियों को पीसकर लगाने से घाव और सुजन ठीक होते है। सहजन के पत्तों को पीसकर गर्म कर सिर में लेप लगाए या इसके बीज घीसकर सूंघे तो सर दर्द दूर हो जाता है

वात रोग में रामबाण

कमर दर्द, घुटने का दर्द, जोड़ों में दर्द से हमेशा ग्रस्त रहते हैं तो सहजन अवश्य खाएं। ऐसा हमारा नहीं बल्कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है। नियमित दवाओं का सेवन करने से न सिर्प स्वास्थ्य पर बुरा पभाव पड़ता है बल्कि दीर्घकालिक समस्याएं भी हो सकती है। अत: ऐसे में अगर सहजन का नियमित खाया जाए तो इन दर्दों को धीरे धीरे कर स्थायी रूप से निजात मिल सकता है। आयुर्वेद में सहजन को वातनाशक के रूप में भी दर्शाया गया है। वायु विकार में भी इसका उपयोग रहता है। जोड़ों के दर्द की स्थिति में सहजन के फूल, पत्ती, फल और छाल सभी खाया जा सकता है। सहजन का काढ़ा भी स्वास्थ्य के लिये काफी उपयोगी है। पेट में गैस बनने की शिकायत नहीं रहती। इस सम्बंध में सहजन की पत्तियों से निकाला गया रस भी फायदेमंद है।

डोर्टमंड ने चैंपियंस लीग फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| पेरिस

मैट्स हुमेल्स के गोल से बोरुसिया डोर्टमंड ने मंगलवार को यहां सेमीफाइनल के दूसरे चरण में पेरिस सेंट जर्मेन को 1-0 से हराकर चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। मैच का एकमात्र गोल हुमेल्स ने 50वें मिनट में दागा। डोर्टमंड ने पहले चरण का मुकाबला भी 1-0 से जीता था और इस तरह 2-0 के कुल स्कोर से सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही स्टार खिलाड़ी काइलियान एमबापे का सपना टूट गया जो पीएसजी के साथ अपने अंतिम सत्र में चैंपियंस लीग खिताब जीतने में नाकाम रहे।

सुरक्षा के बीच मार्सेली पहुंची ओलंपिक की मशाल

मार्सेली। भारी सुरक्षा के बीच तीन जहाजों से ओलंपिक की मशाल यूनान से फ्रांस के दक्षिण स्थित शहर मार्सेली पहुंची जहां सूर्यास्त पर उसकी अगवानी की गई। पेरिस ओलंपिक के आयोजकों ने शहर में शानदार जश्न का वादा किया है जहां पुराने बंदरगाह को कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। मशाल पिछले महीने यूनान में प्रज्जवलित की गई थी जिसके बाद इसे फ्रांस को सौंपा गया। यह 1896 में पहली बार इस्तेमाल हुए बेलेम नामक जहाज से एथेंस से रवाना हुई और 12 दिन समुद्र की यात्रा की। जहाज के आसपास हजारों नावें थी। जहाज को एथलेटिक्स ट्रैक की तरह सजाए गए नाव के पुल पर रखा गया है। मशाल के स्वागत में फ्रांस की वायुसेना की टीम ने करतब दिखाई।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
कोलकाता	11	8	3	16
राजस्थान	11	8	3	16
हैदराबाद	12	7	5	14
चेन्नई	11	6	5	12
दिल्ली	12	6	6	12
लखनऊ	12	6	6	12
बेंगलोर	11	4	7	8
पंजाब	11	4	7	8
मुंबई	12	4	8	8
गुजरात	11	4	7	8

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
542 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
18 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर

1773 चौके
1015 छक्के

खबर संक्षेप

माराडोना की गोल्डन बॉल ट्रॉफी होगी नीलाम

पेरिस। महान फुटबॉल खिलाड़ी डिएगो माराडोना की 1986 विश्व कप की गोल्डन बॉल ट्रॉफी फिर से सामने आ गई है। अगुटेस हाउस ने कहा कि दशकों से गायब इस पुरस्कार की अगले महीने पेरिस में नीलामी की जाएगी। माराडोना का 2020 में 60 बरस की उम्र में निधन हो गया था। उन्हें 1986 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए इस ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। उन्होंने मेक्सिको सिटी में फाइनल में पश्चिम जर्मनी पर 3-2 की जीत के दौरान अर्जेंटीना की कप्तानी की।

25 मई को हर साल मनाया जाएगा विश्व फुटबॉल दिवस

संयुक्त राष्ट्र। दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों के पास अब हर साल दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल का जश्न मनाने के लिए एक दिन होगा और वह होगा 25 मई। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मंगलवार को 25 मई को विश्व फुटबॉल दिवस घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव के अनुसार यह दिन सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व वाले इतिहास के पहले अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट की 100वीं वर्षगांठ का प्रतीक है जो 25 मई 1924 को पेरिस में ओलंपिक खेलों के दौरान आयोजित हुआ था।

सैमसन पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर यहां अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से मिली 20 रन की हार के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। सैमसन के अपराध की जानकारी नहीं दी गई है लेकिन यह दिल्ली के 222 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 86 रन की पारी के दौरान अंपायरों के साथ बहस करने के लिए हो सकता है।

आईपीएल : 12 मैचों में 14 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंची सनराइजर्स

हैदराबाद ने लखनऊ को 10 विकेट से रौंदा, मुंबई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर

▶▶| हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद ने 160 से अधिक के लक्ष्य का सबसे तेजी से पीछा करते हुए लखनऊ सुपर जाइंट्स को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में बुधवार को दस विकेट से हरा दिया। जीत के लिए 166 रन का लक्ष्य सनराइजर्स ने 9.4 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। टेविस हेड 30 गेंद में 89 रन बनाकर नाबाद रहे जिसमें आठ चौके और आठ छक्के शामिल थे। वहीं अभषेक शर्मा ने 28 गेंद में नाबाद 75 रन बनाए। उन्होंने आठ चौके और छह छक्के जड़े। इस जीत से सनराइजर्स 12 मैचों में 14 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं लखनऊ 12 मैचों में 12 अंक लेकर छठे स्थान पर है। इसके साथ ही पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस 12 मैचों में आठ अंक लेकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है।

- 100+ रन के चेज में 62 गेंद शेष रहते जीतना सबसे बड़ी जीत

आयुष बडोनी और निकोलस पूरन के बीच पांचवें विकेट के लिए 99 रन की अटूट साझेदारी के दम पर लखनऊ सुपर जाइंट्स ने चार विकेट पर 165 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ की शुरुआत खराब रही और 11.2 ओवर में चार विकेट 66 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद बडोनी ने 30 गेंद में 55 और पूरन ने 25 गेंद में 48 रन बनाए। पावरप्ले के बाद लखनऊ का स्कोर दो विकेट पर 27 रन था ।

पावरप्ले में हाइएस्ट स्कोर

स्कोर	टीम	खिलाफ	वर्ष
125/0	हैदराबाद	दिल्ली	2024
107/0	हैदराबाद	लखनऊ	2024
105/0	कोलकाता	बेंगलोर	2017
100/2	चेन्नई	पंजाब	2014
93/1	पंजाब	कोलकाता	2024

हेड का अनोखा रिकॉर्ड

ट्रेविस हेड का यह आईपीएल करियर का पांचवां अर्धशतक रहा। उन्होंने इस सीजन तीन ऐसे अर्धशतक लगाए हैं, जो 20 से कम गेंदों पर आए हैं। इसी के साथ उन्होंने जेक फ्रेजर मैकगर्क के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने मैकगर्क के साथ आईपीएल में सबसे ज्यादा तीन-तीन बार 20 से कम गेंद पर अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड बना दिया है।

पांच बार की चैंपियन बाहर

हैदराबाद की इस जीत का मतलब है कि हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 में प्लेऑफ के रेस से बाहर हो गई है। इस सीजन मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। उसके 12 मैचों में आठ अंक हैं। टीम अधिकतम 12 अंक तक पहुंच सकती है। अंक तालिका में फिलहाल कोलकाता और राजस्थान के 16-16 अंक हैं। वहीं, हैदराबाद के 12 मैचों में 14 अंक, जबकि चेन्नई-दिल्ली और लखनऊ के 12-12 अंक हैं। चेन्नई ने 11, जबकि दिल्ली-लखनऊ ने 12-12 मैच खेले हैं। मुंबई का नेट रन रेट भी काफी कम है। 12 अंक प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं होंगे।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जाइंट्स	रन	गेंद	4	6
राहुल का नटराजन बो कमिंस	29	33	1	1
डिकॉक का रेड्डी बो भुवनेश्वर	02	05	0	0
स्टोइनिस का रनवीर बो भुवनेश्वर	03	05	0	0
कृणाल पंड्या रन आउट	24	21	0	2
निकोलस पूरन नाबाद	48	26	6	1
आयुष बडोनी नाबाद	55	30	9	0

अतिरिक्त : 04, कुल : 20 ओवर में 165/4
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-12-2, कमिंस 4-0-47-1, अहमद 2-0-9-0, विजयकांत 4-0-27-0, उनाडकट 2-0-19-0, नटराजन 4-0-50-0.

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा नाबाद	75	28	8	6
ट्रेविस हेड नाबाद	89	30	8	8

अतिरिक्त : 03, कुल : 9.4 ओवर में 167 रन
गेंदबाजी : गौतम 2-0-29-0, ठाकुर 2.4-0-47-0, बिश्नोई 2-0-34-0, नवीनुल हक 2-0-37-0, बडोनी 1-0-19-0.

शर्मनाक रिकार्ड

12 रन पर मंगोलियन टीम आउट, दूसरा न्यूनतम स्कोर

एजेंसी ▶▶| सानो

एशियाई खेलों के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदार्पण करने वाले मंगोलिया इसके सात महीने बाद जापान के खिलाफ बुधवार को यहां केवल 12 रन पर आउट हो गया जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरा न्यूनतम स्कोर है।

जापान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 217 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में मंगोलिया की टीम केवल 8.2 ओवर में आउट हो गई। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूनतम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड आइल ऑफ मैन के नाम पर है जिसकी टीम 26 फरवरी 2023 को स्पेन के खिलाफ 10 रन पर आउट हो गई थी।

जापान की तरफ से 17 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज काजुमा कातो स्टैफ़ोर्ड ने 3.2 ओवर में 7 रन देकर 5 विकेट लिए, जबकि अब्दुल समद (चार रन देकर दो विकेट) और मकोतो तानियामा (कोई रन दिए बिना दो विकेट) ने दो-दो विकेट हासिल किए। मंगोलिया की तरफ से तूर सुमाया ने सर्वाधिक चार रन बनाए। जापान ने इस तरह से यह मैच 205 रन से जीता, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रनों के लिहाज से चौथी बड़ी जीत है। रिकॉर्ड नेपाल के नाम पर है जिसने एशियाई खेलों में मंगोलिया को 273 रन से हराया था।

तीन साल में पहली बार घर में खेलेंगे नीरज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 12 से 15 मई तक भुवनेश्वर में होने वाले राष्ट्रीय फेडरेशन कप में भाग लेने की पुष्टि कर दी है। इस तरह से यह पिछले तीन साल में पहला अवसर होगा जबकि यह स्टार एथलीट घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा।

इस 26 वर्षीय स्टार खिलाड़ी के 10 मई को प्रतिष्ठित डायमंड लीग सीरीज के दोहा में होने वाले पहले चरण में अपने सत्र की शुरुआत करने के बाद भारत आने की संभावना है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने ट्वीट किया, 'प्रविष्टियों के अनुसार नीरज चोपड़ा और किशोर कुमार जेना भुवनेश्वर में 12 मई से शुरू होने वाली घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।' चोपड़ा के कोच क्लाउस बार्टोनिट्ज़ ने भी एजेंसी से पुष्टि की कि यह स्टार एथलीट भुवनेश्वर में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेगा।

हांगझोउ एशियाई खेलों में चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक जीतने वाले 28 वर्षीय किशोर जेना भी 10 मई को दोहा डायमंड लीग में भाग लेंगे। चोपड़ा ने इससे पहले आखिरी बार घरेलू प्रतियोगिता में 17 मार्च 2021 को भाग लिया था और तब उन्होंने 87.80 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था।

आयरलैंड की अगुवाई करेंगे पॉल स्टर्लिंग

डबलिन। अनुभवी सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग को वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 क्रिकेट विश्व कप के लिए बुधवार को आयरलैंड की 15 सदस्यीय टीम का कप्तान बनाया गया। स्टर्लिंग के अलावा एंड्रयू बेलबिर्नी और जॉर्ज डॉकरेल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी टीम में जगह मिली है। ग्रुप ए में भारत और आयरलैंड के अलावा पाकिस्तान, कनाडा और मेजबान अमेरिका को जगह मिली है।

आज 'जीत का चौका' मारने उतरेगी बेंगलोर, पंजाब के किंग्स देंगे चुनौती

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

आत्मविश्वास से भरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की टीम गुरुवार को यहां जब पंजाब किंग्स से भिड़ेगी तो उसकी नजरें इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार चौथी जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी। सत्र की बेहद खराब शुरुआत के बाद आरसीबी की टीम ने लगातार तीन जीत के साथ टूर्नामेंट में वापसी की है और शानदार लय में चल रही है। इन जीत से टीम का मनोबल तो बढ़ा ही है, साथ ही वह अंक तालिका में भी सातवें स्थान पर पहुंच गई है। आरसीबी के 11 मैच में आठ अंक हैं और अगर वह अपने बाकी बचे तीनों मैच जीत लेती है तो उसकी प्ले ऑफ में जगह बनाने की मामूली उम्मीद जीवंत रहेगी। पंजाब किंग्स की स्थिति भी ऐसी ही है। टीम 11 मैच में आठ अंक के साथ आठवें स्थान पर है।

टूर्नामेंट सिर्फ तीन महीने दूर

ओलंपिक में डेब्यू करने 'एनर्जी सेविंग मोड' में चल रही निकहत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दो बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन अपने ओलंपिक पदार्पण से महज तीन महीने दूर हैं और इसकी तैयारी के लिए वह अब 'एनर्जी सेविंग मोड' में आ चुकी हैं।

'एनर्जी सेविंग मोड' (ऊर्जा बचाते हुए खुद को तरोताजा रखने के लिए) के अंतर्गत वह सोशल मीडिया से दूर हो चुकी हैं, ज्यादातर अकेला रहना पसंद कर रही हैं, कभी कभी मिठाई खाने से भी परहेज नहीं कर रहीं और नेटफ्लिक्स पर खूब फिल्में और सीरीज देख रही हैं। पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा वर्ग की प्रबल दावेदारों में शुमार जरीन का मानना है कि ऐसी गतिविधियां जो भले ही कईयों को आरामदायक लगे, लेकिन उनके लिए यह वास्तव में 26 जुलाई को पेरिस में शुरू होने वाले ओलंपिक से पहले खुद को शांतचित्त बनाए रखने का तरीका है। जरीन ने कहा, 'सच कहूं तो मैं अब भी ओलंपियन बनने के अहसास से गुजर रही हूं। जैसे जैसे दिन आगे बढ़ रहे हैं, मेरी घबराहट बढ़ती जा रही है। लेकिन मैं अपना दिमाग अच्छे प्रदर्शन पर ध्यान लगाए रखने पर लगा रही हूं।'

प्रतिभाशाली सहरावत और अनुभवी दीपक देंगे चुनौती

ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में कोटा की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| इस्तांबुल

प्रतिभाशाली अमन सहरावत और अनुभवी दीपक पूनिया गुरुवार से यहां शुरू होने वाले अंतिम विश्व कुश्ती क्वालीफायर्स में पेरिस ओलंपिक के लिए पुरुषों के फ्री स्टाइल वर्ग में कोटा हासिल करने का प्रयास करेंगे। पहलवानों के पास पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का यह अंतिम मौका होगा। विश्व अंडर 23 चैंपियन अमन से विश्व चैंपियनशिप या बिश्केक में एशियाई क्वालीफायर में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद थी लेकिन वह इन दोनों अवसरों पर नाकाम रहे ।

अमन (57 किग्रा) को बिश्केक में जहां गुलोमजोन अब्दुल्लाव की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा वहीं विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता दीपक (86 किग्रा) और सुजीत कलकल (65 किग्रा) दोनों दुबई में फंसने के कारण समय पर बिश्केक नहीं पहुंच पाए थे। इस्तांबुल में अब भारतीय पहलवानों के लिए करो या मरो जैसी स्थिति बन गई है।

किसी भी पुरुष पहलवान ने अभी तक नहीं जीता कोटा

भारत के किसी भी पुरुष पहलवान ने अभी तक पेरिस ओलंपिक में जगह नहीं बनाई है और अगर वह यहां भी कोटा हासिल करने में असफल रहते हैं तो यह भारतीय कुश्ती के लिए करारा झटका होगा जो पिछले कुछ समय से भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के कारण चर्चा में रही है। विरोध प्रदर्शन के कारण भारतीय पहलवान राष्ट्रीय शिविर और प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले पाए जिससे उनकी तैयारियां प्रभावित हुई।

अंबानी-अडाणी की माला जपने वाले 'कांग्रेस के शहजादे' ने उनसे 'कितना माल उठाया', खरगे का पलटवार-अब दोस्त- दोस्त न रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल का नाम लिए बगैर 'दाल में कुछ काला' होने की आशंका जताई कि कोई न कोई 'चोरी का माल टैंपो भर-भर के 'आपने पाया है' और उन्हें देश को इसका जवाब देना पड़ेगा।

एजेंसी ▶▶ करीमनगर

पीएम नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाया कि पिछले पांच सालों से सुबह उठते ही 'अंबानी और अदाणी के नाम की माला जपने वाले कांग्रेस के शहजादे' ने उनसे 'कितना माल उठाया' है। राहुल का नाम लिए बगैर 'दाल में कुछ काला' होने की आशंका जताई कि कोई न कोई 'चोरी का माल टेम्पो भर-भर के 'आपने पाया है' और उन्हें देश को इसका जवाब देना पड़ेगा। 5 साल से एक ही माला जपते थे।

5 उद्योगपति... फिर धीरे-धीरे कहने लगे... अंबानी, अदाणी... पांच साल से... लेकिन जब से चुनाव घोषित हुआ है इन्होंने अंबानी अदाणी को गाली देना बंद कर दिया। हैदराबाद से करीब 150 किलोमीटर दूर वेमुलावाड़ा में एक रैली में मोदी ने यह दावा भी किया कि तीसरे चरण के बाद कांग्रेस और उसके 'इंडी' गठबंधन के घटक दलों का तीसरा 'फ्यूज' उड़ गया है। उन्होंने कहा कि मतदान के चार चरण शेष हैं और जनता के आशीर्वाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) जीत की ओर बढ़ रहा है।

भाजपा का 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत में यकीन

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत में यकीन करती है जबकि कांग्रेस और बीआरएस के लिए 'परिवार प्रथम' है। उन्होंने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस ने भ्रष्टाचार पर एक-दूसरे की खुलकर आलोचना की है लेकिन अब इन दोनों दलों के बीच भ्रष्टाचार एक सामान्य कारक है।

पीएम मोदी ने तेलंगाना में कांग्रेस पर किया बड़ा हमला

काले धन के कितने बोरे भरे

उन्होंने कहा कि जरा ये शहजादे घोषित करें कि काले धन के कितने बोरे भर के रुपए मारे हैं? क्या टेंपो भर के नोट कांग्रेस के लिए पहुंचे हैं क्या? क्या सौदा हुआ है? मोदी सरकार पर हमला करने के लिए कांग्रेस, प्रधानमंत्री मोदी पर व्यवसायी गौतम अदाणी और मुकेश अंबानी सहित देश के शीर्ष पांच उद्योगपतियों का पक्ष लेने का आरोप लगाती रही है।

पीएम ने पूछा- रातों-रात गाली देना क्यों बंद?

कांग्रेस और इंडी गठबंधन का तीसरा फ्यूज उड़ा

उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि तीसरे फेज में कांग्रेस और इंडी गठबंधन का तीसरा फ्यूज उड़ गया है। अभी चार चरण का चुनाव बाकी है। जनता के आशीर्वाद से भाजपा और एनडीए तेजी से विजय रथ को आगे ले जा रही है। बीआरएस का यहां कोई अता-पता ही नहीं है।

लोगों ने पिछले 10 सालों में मेरे काम को देखा

उन्होंने कहा कि तलोगों ने पिछले 10 सालों में मेरे काम को देखा है। आपके एक वोट ने भारत को दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया। अनुच्छेद 370 समाप्त हुआ। आपके एक वोट ने भारत को रक्षा आयातक से रक्षा निर्यातक बना दिया। कांग्रेस पार्टी ने अपने पूरे शासनकाल में हमारे लोगों की क्षमता को बर्बाद करने के अलावा कुछ नहीं किया।

खरगे का पीएम मोदी पर हमला

अब दोस्त दोस्त न रहा डगमगा रही है कुर्सी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जनता को अब असलियत का पता चल चुका है। खरगे ने दावा किया किया कि पीएम मंच से जिस जनता को मित्र कहते थे, वे अब उन्हीं पर हमलावर हो रहे हैं। साहब, बीबी और गैंगस्टर का दौर बिहार में फिर शुरू होगा? उन्होंने पर एक पोस्ट में कहा, वक्त बदल रहा है। दोस्त दोस्त ना रहा...तीन चरणों के चुनाव पूरे हो जाने के बाद आज प्रधानमंत्री जी अपने मित्रों पर ही हमलावर हो गए हैं, इससे पता चल रहा है कि मोदी जी की कुर्सी डगमगा रही है। खरगे ने कहा कि पीएम मोदी अब उद्योगपति मुकेश अंबानी और अडाणी का साथ छोड़ रहे हैं। खरगे ने दावा किया कि खुद की छवि को बचाने के लिए पीएम ऐसा कर रहे हैं। जयराम रमेश ने भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि जिस व्यक्ति ने अपनी पार्टी के लिए 8,200 करोड़ का चंदा इकट्ठा किया।

प्रियंका ने रायबरेली में की रैली

पीएम मोदी ने मदद करने की जगह लोगों को राशन का बोरा पकड़ा दिया

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भाई राहुल गांधी के लिए बुधवार से प्रचार शुरू कर दिया। बछरावां विधानसभा क्षेत्र के फुलवासा में नुक्कड़ सभा में प्रियंका ने पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम ने आपकी जरूरतें और मदद करने की बजाय 5 किलो राशन का बोरा थमा दिया। इससे क्या होने वाला है? 103 साल पहले किसान आंदोलन के दौरान नेहरू जी ने यहीं गिरफ्तारी दी थी। भाजपा बेरोजगारी और महंगाई जैसे जनता से जुड़े मुद्दों पर बात नहीं करती। कांग्रेस आई तो नौजवानों को रोजगार मिलेगा और ग्रेजुएट को एक लाख रुपए दिए जाएंगे।

उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान सपा के बयान पर भड़के गृहमंत्री शाह

जरा भी गलती की तो ये राममंदिर पर बाबरी नाम का ताला लगा देंगे

लखीमपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लखीमपुर में चुनावी जनसभा में सपा नेता रामगोपाल यादव के बयान पर कहा कि ये राम मंदिर को बेकार बताते हैं। जरा भी गलती की तो ये राम मंदिर पर बाबरी नाम का ताला लगा देंगे। शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जब सपा की सरकार थी। गुंडई चलती थी। जमीनों पर कब्जे होते थे। होली दिवाली के दिन बिजली नहीं आती थी और रमजान में 24 घंटे बिजली रहती थी। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा वाले झूठा प्रचार कर भाजपा और मोदी को बदनाम कर रहे हैं।

कांग्रेस के पास नेता, नीयत और नीति ही नहीं

गृहमंत्री ने कहा कि राहुल बाबा कहते हैं एक झटके में गरीबी मिटा देंगे। आपकी दादी ने एक झटके आपातकाल लगाया। पिताजी ने एक झटके में तीन तलाक इंट्रोड्यूज किया। कांग्रेस ने झटके में पिछड़े वर्ग का आरक्षण छीनने का काम किया। गृहमंत्री ने कहा कि राहुल बाबा कहते हैं कि हम सीएए हटा देंगे। इनके पास न नेता है, न नीयत है और न नीति है। राहुल के लिए इटली ही सबसे बेहतर जगह है। वे वहीं शिफ्ट हो जाएं।

ये चुनाव करोड़ों गरीबों को घर देगा

शाह ने कहा कि ये चुनाव और 3 करोड़ गरीबों को उनका खुद का घर देने का चुनाव है। ये चुनाव 3 लाख गांवों में डेयरी बनाकर पशुपालन के साथ जुड़े हुए भाई-बहनों को समृद्ध बनाने का चुनाव है। जबकि कांग्रेस गरीबों का आरक्षण छीन रही है।

हिमाचल में अनुराग के समर्थन में किया प्रचार, विपक्ष पर बरसे भाजपाध्यक्ष नड्डा

सोनिया के लिए श्रीराम काल्पनिक, कांग्रेस सनातन विरोधी

बिलासपुर। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा कर्मभूमि बिलासपुर दौरे पर थे। यहां से उन्होंने पन्ना प्रमुख सम्मेलन के में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। नड्डा ने हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी अनुराग ठाकुर को ज्यादा से ज्यादा बढ़त दिलाने के लिए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चुनाव में विजय का शंखनाद किया। नड्डा ने कहा कि सबसे पहले मां नयना देवी जी को प्रणाम करता हूं। चुनाव की बेला में पूरी मेहनत से हमारे कार्यकर्ता काम कर रहे हैं।

कांग्रेस को सुनाई खरी-खरी

प्रदेश की सुक्खू सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस सरकार ने हिम केयर का 50 करोड़ भी नही दिया है। कांग्रेस ने यहां एक भी विकास का पत्थर नहीं लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी राम और सनातन विरोधी तथा राष्ट्रद्रोही पार्टी है।

ट्रिपल तलाक को खत्म किया

भाजपा वही पार्टी है जिसने अनुच्छेद 370 हटाया, राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा करवाई, ट्रिपल तलाक जो कांग्रेस ने भारत में चला रखा था, खत्म किया।

नड्डा को समन

बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस ने विवादित पोस्ट के मामले में नड्डा को समन भेजा है। पुलिस ने आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय को समन भेजा है।

खबर संक्षेप

एचडी रेवन्ना को 14 तक न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलुरु। अपहरण के आरोप का सामना कर रहे कर्नाटक जद(एस) विधायक और पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना को बुधवार को बेंगलुरु की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने 14 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उनकी जमानत याचिका गुरुवार के लिए पोस्ट की गई है। उनकी गिरफ्तारी तीन बच्चों की मां एक महिला के अपहरण और अवैध रूप से बंधक बनाने से संबंधित मामले में हुई है।

गैंगरेप के बाद तलवार से अंगुलियां काटी

बांसवाड़ा। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में गैंगरेप का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सेकंड ईयर में पढ़ने वाली छात्रा के साथ दो दरिंदों ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने पहले गैंगरेप किया, फिर तलवार से अंगुलियों को काट डाला। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं, दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है। आरोपी ने उसे जान से मारने की कोशिश की थी।

शहरों के नाम बदले, कोर्ट -नाम में क्या रखा है?

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि नाम में क्या रखा है? कोर्ट ने यह टिप्पणी इसलिए की है क्योंकि महाराष्ट्र सरकार ने औरंगाबाद जिले का नाम बदलकर छत्रपति संभाजी नगर और उस्मानाबाद का नाम बदलकर धाराशिव करने का फैसला लिया है। इसके खिलाफ कई याचिकाएं दी गई हैं। सभी को खारिज करने के साथ कोर्ट ने कहा कि नाम में क्या रखा है?

दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल से जुड़ी याचिका की खारिज, साथ ही लगाया जुर्माना

आपातकाल या मार्शल लॉ लगा देना चाहिए? मीडिया की खबरों पर रोक नहीं लगा सकते

एजेंसी ▶▶ दिल्ली

हाईकोर्ट में केजरीवाल को जेल से सरकार चलाने देने के लिए विशेष व्यवस्था की एक जनहित याचिका श्रीकांत प्रसाद नाम के एक वकील ने दायर की थी। याचिका में दिल्ली में राष्ट्रपति शासन से संबंधित खबरों पर रोक लगाने की भी मांग की थी।

कोर्ट ने न सिर्फ पीआईएल को खारिज कर दिया बल्कि याचिकाकर्ता पर एक लाख का जुर्माना भी ठोक दिया। याचिका में कहा गया था कि केजरीवाल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का इंतजाम किया जाए। मीडिया घरानों को सीएम के संभावित इस्तीफे और खबरें देने से रोकने की भी मांग की। एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने पैसों को एम्स के खाते में जमा करने के लिए कहा गया है। कोर्ट ने इस बीच कड़ी टिप्पणी की।

आप का कहना है कि उसके मुखिया सीएम के पद से इस्तीफा नहीं देंगे और जेल से ही सरकार चलाते रहेंगे

हम प्रेस पर पाबंदी लगाने का आदेश नहीं दे सकते

बेंच ने याचिका की आलोचना करते हुए कहा कि हम क्या कर सकते हैं? आपातकाल लागू करें? सेंसरशिप या मार्शल लॉ लागू करें? हम प्रेस पर प्रतिबंध लगाने का आदेश कैसे पारित कर सकते हैं? केजरीवाल जेल से ही सरकार चलाने पर अड़े हैं। आप का कहना है कि उसके मुखिया सीएम के पद से इस्तीफा नहीं देंगे और जेल से ही सरकार चलाते रहेंगे। इससे पहले भी दिल्ली हाईकोर्ट ने यह कहकर याचिका को खारिज कर दिया था कि इसका फैसला खुद केजरीवाल को करना है या उपराज्यपाल और राष्ट्रपति को करना है।

ईडी का सुप्रीम कोर्ट में दावा, सबूत है

घोटाले के आरोपी ने दिया केजरीवाल के 7 स्टार होटल में रुकने का पैसा

इस दौरान ईडी के वकील ने एक बड़ा दावा किया। सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि गोवा चुनाव के दौरान केजरीवाल 7 स्टार होटल में रुके थे, जिसका पेमेंट शराब घोटाले के एक आरोपी ने किया था। उन्होंने इसे लेकर 'सबूत' का भी जिक्र किया। एसवी राजू ने यह भी कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर हो रही राजनीति से ईडी को कोई सरोकार नहीं है।

घोटाले वाले पैसे से 7 स्टार में रुके

ईडी का आरोप है कि दिल्ली शराब घोटाले के पैसे का इस्तेमाल 'आप' ने गोवा चुनाव में किया था। ईडी के वकील ने कहा, हमारे पास इसका सबूत है कि केजरीवाल के गोवा में रहने के खर्च का पेमेंट चनप्रीत सिंह ने किया था। केजरीवाल गोवा के ग्रैंड हयात 7 स्टार होटल में रुके थे।

अंतरिम जमानत पर कल आएगा फैसला

दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को आदेश पारित कर सकता है। सुनवाई करने वाली पीठ की अध्यक्षता करने वाले न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने कहा कि हम शुक्रवार को अंतरिम आदेश (अंतरिम जमानत पर) सुनाएंगे।

झारखंड में पहले मिला था 'नोटों का पहाड़'

लाल को 'मंत्रालय' ले जाकर मारा छापा, भारी कैश बरामद

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड में इस वक्त प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की बड़ी कार्रवाई की खबर है। ईडी की टीम झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्रालय में छापेमारी कर रही है।

प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी गिरफ्तार आरोपी संजीव लाल को प्रोजेक्ट भवन लेकर पहुंची है जहां ग्रामीण विकास मंत्रालय है और रेड कर रही है। इतना ही नहीं ईडी की टीम को संजीव लाल के दफ्तर से भी कैश मिला है। आरोपी संजीव लाल झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलम गीर का निजी सचिव है। 2 दिन पहले भी 6 ठिकानों पर कार्रवाई कर चुकी है। उस कार्रवाई में प्रवर्तन निदेशालय को 35 करोड़ से अधिक रुपए मिले थे।

इसके पहले भी ईडी ने की यहां छापेमारी

ईडी ने ने राज्य के ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर विरेंद्र के. राम को फरवरी 2023 में एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। उन पर कथित तौर पर मनी लॉन्ड्रिंग और अनियमितताओं के कुछ आरोप थे। उसी मामले में ईडी की टीम ने विरेंद्र के. राम और उनके करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसके अलावा झारखंड सरकार के मंत्री आलम गीर के निजी सचिव संजीव लाल के घरेलू नौकर के ठिकानों पर भी छापेमारी की थी। आरोपी संजीव लाल के नौकर के घर पर हुई छापेमारी में ईडी को बड़ी रकम बरामद हुई थी। उसके रेड के बाद अब ईडी की टीम ग्रामीण विकास मंत्रालय में रेड कर रही है।

चारधाम यात्रा के लिए काउंटर रजिस्ट्रेशन

उमड़ पड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब पुलिस को संभालना पड़ा मोर्चा

एजेंसी ▶▶ हरिद्वार

चार धाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। इसको लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। यात्रा 10 मई से शुरू होने जा रही है। इसके लिए काउंटर रजिस्ट्रेशन बुधवार से शुरू हो गए हैं।

ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन खुलने के पहले दिन ही उत्तराखंड के प्रवेश द्वार हरिद्वार में तीर्थ यात्रियों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। 10 तारीख से शुरू होने जा रही चार धाम यात्रा के लिए बुधवार से काउंटर रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। हरिद्वार के पर्यटन कार्यालय परिसर में की गई व्यवस्थाएं पहले दिन नाकाफी नजर आईं। रजिस्ट्रेशन के पहले दिन यहां

यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रजिस्ट्रेशन की रफ्तार धीमी होने से यात्रियों में काफी नाराजगी देखी गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पुलिस की तैनाती भी की गई। यात्रियों का कहना है कि उन्हें रजिस्ट्रेशन के बारे में पहले कोई जानकारी नहीं थी। हरिद्वार पहुंचने पर उन्हें रजिस्ट्रेशन के बारे में पता चला। सुबह 5 से लोग कतारें लगाकर यहां पर खड़े हुए हैं।

एक्स पोस्ट कर लिखा अब लोगों का आना जाना और आसान होगा

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे की गडकरी ने की जमकर तारीफ

प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही औद्योगिक कुशलता की मौजूदगी की जुगलबंदी का यहां दिखाई देगा 'नजारा'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे की तारीफ की है।

उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर प्राकृतिक सुंदरता और औद्योगिक कुशलता की मौजूदगी की जुगलबंदी महसूस की जा सकती है। यह एक्सप्रेसवे देशभर के वाणिज्यिक केंद्रों को गुजरात से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

गुजरात को सभी इंडस्ट्रियल हब से कनेक्ट कर रहा

केंद्रीय मंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर प्राकृतिक सुंदरता और औद्योगिक कुशलता की शानदार जुगलबंदी देखने को मिलती है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरात को सभी इंडस्ट्रियल हब से कनेक्ट करता है और न केवल आवाजाही आसान होती है बल्कि पूरे सफर के दौरान दर्शनीय भव्य प्राकृतिक सौंदर्य भी मिलता है।

मुख्य लॉजिस्टिक केंद्रों के साथ कनेक्टिविटी से विकास को मिलेगी गति

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वडोदरा में मुख्य लॉजिस्टिक केंद्रों के साथ कनेक्टिविटी अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। परिणामस्वरूप, इससे अंकलेश्वर और भरूच क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे के 87 किलोमीटर के हिस्से का पूरा होना एक मजबूत सड़क नेटवर्क के निर्माण की सरकार की बड़ी चिंता को दिखाता है।

यह तीन ट्रांचेज में खोला गया था

हाल ही में पीएम ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के वडोदरा-भरूच सेक्शन का उद्घाटन किया था। इस एक्सप्रेस की कुल दूरी 87 किलोमीटर है और आम जनता के लिए इसे तीन ट्रांचेज में खोला गया था। इस एक्सप्रेसवे का मुख्य मकसद बड़े इकोनॉमिक हब के साथ कनेक्टिविटी और यात्रियों को आसाना और सुविधाजनक ट्रैव एक्सपीरियंस मुहैया कराना है। अब गुजरात में इन हाईवे के साथ ट्रांसपोर्टेशन में तेजी आई है।

जहाज निर्माण में बनेगा भारत आत्मनिर्भर

राष्ट्रहित में देश में तैयार की गई सामग्री को दिया जाएगा बढ़ावा आईसीजी और जेएसपी के बीच एमओयू पर किए गए हस्ताक्षर

भारतीय तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में उप महानिदेशक (सामग्री एवं रखरखाव) आईजी भारतीय तटरक्षक बल एचके शर्मा और जिंदल स्टील एंड पावर मुख्य विपणन अधिकारी एसके प्रधान ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी) जहाज निर्माण में देश के भीतर तैयार की गई सामग्री को बढ़ावा दे रही है। इसी के तहत आईसीजी और जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपी) ने जहाज निर्माण में देश के भीतर तैयार की गई सामग्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वदेशी समुद्री वर्गीकृत इस्पात की आपूर्ति के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। ये दोनों संस्थाएं इस साझेदारी के माध्यम से स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने व राष्ट्र के हित में इन वस्तुओं के उत्पादन तथा उपयोग की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

1. स्वदेशी समुद्री वर्गीकृत इस्पात की होगी आपूर्ति
2. वस्तुओं के उत्पादन तथा उपयोग को मिलेगा बढ़ावा
3. गुणवत्तायुक्त, श्रेणीकृत उत्पादों का निर्माण होगा

सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा

यह समझौता ज्ञापन जटिल सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के महत्व को रेखांकित करता है और साथ ही सरकारी एजेंसियों एवं निजी क्षेत्र के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल देता है। इस समझौता ज्ञापन में भारतीय तटरक्षक हेतु स्वदेशी समुद्री वर्गीकृत इस्पात की समय पर आपूर्ति के उद्देश्य से जहाज निर्माण यार्डों को आश्वासन देते हुए उत्पाद के निर्माण के लिए नामित इस्पात संयंत्रों के साथ-साथ गुणवत्ता, श्रेणी उत्पादों एवं सेवाओं सहित कई प्रमुख लाभ तय किए गए हैं।

भारत और सिंगापुर की नौसेना के बीच बढ़ेगा संचालन, शुरू होगा समुद्री अभ्यास

भारतीय नौसेना और सिंगापुर नौसेना संचालन क्षमता को बढ़ाने के लिए संयुक्त समुद्री अभ्यास करेंगी ताकि परिचालन को बेहतर समझा जा सके। चांगी नौसेना बेस पर आयोजित आईएनएस शक्ति पर फ्लैग आफिसर कमांडिंग

ईस्टर्न फ्लीट रीड एडमिरल राजेश धनखड़ ने यह बात कही। कार्यक्रम में सिंगापुर के लगभग 150 लोग, राजनयिक मिशन के प्रमुख और भारतीय प्रवासी आदि मौजूद रहे। राजेश धनखड़ ने कहा कि भारत और सिंगापुर की नौसेनाएं भारत-सिंगापुर के 31वें संस्करण को आयोजन करने की तैयारी कर रही हैं। समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास इस वर्ष की चौथी तिमाही में इसी साल विशाखापत्तनम में आयोजित किया जाएगा। धनखड़ ने कहा कि हम अपनी परिचालन क्षमता और परिचालन को समझने और बढ़ाने का प्रयास करेंगे। सिंगापुर में भारतीय उच्चायुक्त, डॉ. शिल्पक अंबुले ने क्षेत्र में सिंगापुर में भारतीय नौसेना की भागीदारी के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इसने एक बाहरी प्रक्षेपवक्र देखा है। जो बिना किसी संदेह के अपने सुस्थापित निर्माण से प्राप्त हुआ है और गुजरते समय के साथ विकसित होता रहा है।

दक्षिण चीन सागर में होगी तैनाती, सिंगापुर पहुंचे भारतीय नौसेना के तीन जहाज

समुद्र में सुरक्षा बढ़ाने के लिए भारतीय नौसेना लगातार महासागरों में गश्त कर रही है। इस बीच भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े को दक्षिण चीन सागर में तैनात किया गया है। भारतीय जहाज दिल्ली, शक्ति और किल्टन इसी तैनाती के हिस्से के रूप में सिंगापुर पहुंच गए हैं, जहां सिंगापुर गणराज्य की नौसेना के कर्मियों और सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इन जहाजों से कई कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से दोनों समुद्री देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और सहयोग को और मजबूती मिलेगी।

दोनों नौसेनाओं के बीच मजबूत संबंध

इन जहाजों के प्रवास के दौरान विभिन्न गतिविधियों को शुरू करने की योजना बनाई गई है, जिसमें भारतीय उच्चायोग के साथ बातचीत, सिंगापुर की नौसेना के साथ पेशेवर बातचीत के साथ अकादमिक और सामुदायिक आउटरीच सहित अन्य गतिविधियां होंगी। दोनों नौसेना के बीच तीन दशकों के सहयोग, समन्वय और नियमित यात्राओं, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान और पारस्परिक प्रशिक्षण व्यवस्थाओं के साथ मजबूत संबंध रहे हैं। वर्तमान तैनाती दोनों नौसेनाओं के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाती है।

6 मई को सिंगापुर पहुंचे तीनों जहाज

कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि नौसेना के पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल राजेश धनखड़ के नेतृत्व में तीनों जहाज 6 मई को सिंगापुर पहुंच गए हैं। इन तीनों जहाजों का सिंगापुर पहुंचना दक्षिण चीन सागर में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की परिचालन तैनाती का हिस्सा है। सिंगापुर गणराज्य की नौसेना के कर्मियों और सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

- आंतकियों पर 20 लाख रुपए के इनाम का ऐलान किया
- पांचवें दिन भी सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी
- पूछताछ में करीब 20 लोग हिरासत में लिए गए

पुंछ आतंकी हमले के तीन संदिग्धों की तस्वीर सामने आई

इनमें पाकिस्तान का पूर्व कमांडो, लश्कर कमांडर और एक आंतकी शामिल, सर्च जारी

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शनिवार 4 मई को वायुसेना के काफिले पर हुए आतंकी हमले में शामिल तीन संदिग्धों के नाम और उनकी तस्वीर सामने आई है। इन आतंकियों में से एक पाकिस्तानी सेना का पूर्व कमांडो इल्यास उर्फ फौजी है, दूसरा लश्कर का कमांडर अबु हमजा और तीसरा पाकिस्तानी आतंकी हदून है।

इस हमले में वायुसेना का एक जवान शहीद हो गया था और चार घायल हो गए थे। सेना ने हमले में शामिल आतंकियों के स्कैच जारी करने के साथ उन पर 20 लाख रुपए के इनाम का ऐलान भी किया है। हमले के सिलसिले में पूछताछ के लिए करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सेना हमले के लिए जिम्मेदार आतंकियों की तलाश में जुटी है। बुधवार को लगातार पांचवें दिन सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी है।

तीनों जैश कमांड के लिए काम कर रहे

कहा जा रहा है कि ये तीनों जैश कमांड के तहत काम कर रहे थे और जैश-ए-मोहम्मद के करीबी पीएएफएफ के लिए हमलों को अंजाम दे रहे थे। फिलहाल उनकी पहचान की पुष्टि करने के लिए आगे की जांच चल रही है। उनका पता लगाने के लिए राजौरी-पुंछ वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पहले ही कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया जा चुका है और इन तीनों के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा बलों ने कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखे जाने के बाद जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में एलओसी के पास बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है।

फारूक नाली और लश्कर घाटी प्रमुख रियाज सेत्री पर 10 लाख का इनाम

कुलगाम में फिर से मुठभेड़, एक आतंकवादी ढेर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को आतंकवादी और सुरक्षा बलों के बीच नए सिरे से हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। इसी इलाके में मंगलवार को दो आतंकवादी मारे गए थे। अधिकारियों ने बताया कि कुलगाम के रेडवाणी इलाके में मुठभेड़ के बाद घरों की तलाशी ली जा रही थी, तभी वहां छिपे एक आतंकवादी ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसपर सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की।

हिजबुल कमांडर को भी पकड़ेगी सेना

दि रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) चीफ बासित डार के खात्मे के बाद अब सेना के दो बड़े लक्ष्य हैं। चुनाव से पहले हिजबुल के ऑपरेशनल कमांडर फारूक नाली और लश्कर घाटी प्रमुख रियाज सेत्री को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। उनके सिर पर 10 लाख का नकद इनाम है। सेना के सूत्रों के अनुसार दोनों बेहद खतरनाक हैं क्योंकि वे लोगों का बेनवॉश कर उन्हें आतंकी संगठन में भर्ती कर सकते हैं।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच चर्चा

सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में घनिष्ठ संबंध बनाने पर बनी सहमति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग) विश्वेश नेगी और यूरोपीय बाहरी कार्रवाई सेवा (ईईएएस) में सुरक्षा और रक्षा नीति निदेशक सुश्री जोआनके बालफोर्ट की सह-अध्यक्षता में बैठक ने एक नए युग की शुरुआत की। दूसरी उच्च-स्तरीय परामर्श बैठक में दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों ने आपसी हित के सुरक्षा और रक्षा-संबंधित मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर रचनात्मक बातचीत की और विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया गया। बैठक में भारत-यूरोपीय संघ सुरक्षा और रक्षा परामर्श के बाद से प्राप्त प्रगति की समीक्षा करने और भविष्य के सहयोग के लिए एक रोडमैप तैयार करने पर सहमति बनी।

रणनीतिक साझेदारी मजबूत होगी

जोआनके बालफोर्ट ने सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्र में भारत के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए यूरोपीय संघ की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने साझा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने और तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में नियमित बातचीत और सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

रक्षा उद्योग सहयोग के बारे में भी चर्चा

दोनों ने इंडो-पैसिफिक में अधिक सहयोग, भारत-ईयू के बीच बेहतर तालमेल के रास्ते और रक्षा उद्योग सहयोग के बारे में भी चर्चा की। यूरोपीय संघ ने यूरोपीय रक्षा औद्योगिक रणनीति सहित यूरोपीय संघ के रणनीतिक और इंडो-पैसिफिक रणनीति के कार्यान्वयन के साथ-साथ यूरोपीय संघ के नए संचालन, जैसे कि ईयूएनएवीफोर एस्पिड्स के कार्यान्वयन की जानकारी दी।

खबर संक्षेप

वेस्ट नाइल बुखार को लेकर केरल में अलर्ट

त्रिवेंद्रम। मच्छर की वजह से केरल में वेस्ट नाइल बुखार तेजी से फैल रहा है। अब तक इस बुखार के 5 मरीज सामने आ चुके हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने मलप्पुरम, कोझिकोड और त्रिशूर जिले में अलर्ट जारी किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक वेस्ट नाइल वायरस संक्रमित होने वाले लगभग 20 प्रतिशत लोगों में वेस्ट नाइल बुखार विकसित होगा। लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, थकान और शरीर में दर्द, मतली, उल्टी, त्वचा पर चकत्ते और सूजी हुई लिम्फ ग्रंथियां शामिल हैं।

सीआईएसएफ को चकमा देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को चमका देने के इरादे से एक दंपती इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल थ्री में दाखिल हुआ। इस दंपति से पत्नी तो फ्लाइट पकड़ कर सिंगापुर चली गई, लेकिन पति इंटेलीजेंस के सतर्क प्रोफाइलर्स के हाथ लग गया। पकड़ में आए इस शख्स को तमाम सबूतों के साथ आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। इस आरोपी युवक की पहचान जसकरण बंथ के रूप में की है।

उत्तराखंड में वनाग्नि रोकने के लिए...

सचिवों को दी गई जिम्मेदारी, 10 वनकर्मी लापरवाही पर निलंबित

एजेंसी ▶▶ देहरादून

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में वनाग्नि को रोकने के लिए की जा रही कार्रवाई और आगामी मानसून सीजन के दृष्टिगत तैयारियों की समीक्षा की। सीएम ने वनाग्नि रोकने में लापरवाही बरतने वाले वन विभाग के 10 कार्मिकों को निलंबित किया है। कुछ अन्य कार्मिकों पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह निर्देश दिए कि वनाग्नि को पूर्णतः रोकने के लिए सभी सचिवों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी दी जाए। इसके अलावा सीएम पुष्कर धामी ने जंगल की आग को कम करने के उद्देश्य से पिरूल को एकत्रित करने के लिए 'पिरूल लाओ-पैसे पाओ' मिशन को शुरू करने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए।

कृत्रिम बारिश समाधान नहीं

उत्तराखंड सरकार ने उच्चतम न्यायालय में हुई सुनवाई में पीठ ने कहा कि 'क्लाउड सीडिंग' (कृत्रिम बारिश) या 'इंद्र देवता पर निर्भर रहना' इस मुद्दे का समाधान नहीं है और राज्य को निवारक उपाय करने होंगे। 15 मई को अगली सुनवाई होगी।

इमरान के साथ अडियाला जेल में रहेंगी बुशरा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को बड़ी कानूनी जीत मिली है। देश के एक उच्च न्यायालय ने आदेश जारी कर कहा कि बुशरा को अडियाला जेल स्थानांतरित किया जाए, जहां इमरान खान सजा काट रहे हैं। दो मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद बुशरा बीबी को इस्लामाबाद के उपनगरीय इलाके में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक खान की हवेली बनिगाला में ही कैद कर दिया गया था, जबकि 71 वर्षीय खान को रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में रखा गया है।

भारत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कनाडा को दी सलाह

कहा- हिंसा का जश्न मनाना सभ्य समाज का हिस्सा नहीं होना चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कनाडा के माल्टन में नगर कीर्तन परेड की झांकियों में भारतीय राजनेताओं के बारे में हिंसक चित्रण प्रदर्शित करने पर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज किया है। इस पर कनाडा को सलाह देते हुए भारत ने कहा है कि हिंसा का जश्न मनाना और उसका महिमामंडन करना किसी भी सभ्य समाज का हिस्सा नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक देश जो कानून के शासन का सम्मान करते हैं, उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कट्टरपंथी तत्वों द्वारा डराने-धमकाने की इजाजत नहीं देनी चाहिए।

राजनयिक प्रतिनिधियों को लेकर चिंतित

जायसवाल ने कहा कि हम कनाडा सरकार से आह्वान करते हैं कि वह कनाडा में आपराधिक और अलगाववादी तत्वों को सुरक्षित आश्रय और राजनीतिक स्थान प्रदान करना बंद करे। हम कनाडा में अपने राजनयिक प्रतिनिधियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और उम्मीद करते हैं कि कनाडा सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि वे बिना किसी डर के अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में सक्षम हों।

कनाडा में उभरे तत्व भारत के लिए खतरा

कनाडा में मौजूद भारत के हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा ने कहा कि भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर बुरी नजर डालना लक्ष्मण रेखा पार करने जैसा है। भारत का भविष्य अब विदेशी नहीं, बल्कि भारतीय खुद तय करेंगे। वर्मा ने कहा कि कनाडा की धरती पर ऐसे तत्व उभर रहे हैं, जो भारत के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में जब हम एक-दूसरे को दोस्त कहते हैं तो हम उम्मीद करते हैं कि एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझेंगे।

भारत ने करीब दो साल पहले किए वादे को किया पूरा

आतंकवाद से निपटने यूएन सीसीटीएफ में दिए पांच लाख डॉलर

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

वैश्विक स्तर पर आतंकवाद का खतरा बढ़ता जा रहा है। अफ्रीका में आतंकवाद के बढ़ते खतरे के मुद्दे को संबोधित करना पिछले कुछ वर्षों से भारत की आतंकवाद-विरोधी प्राथमिकताओं में से एक रहा है। साल 2022 में अक्तूबर में विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद से निपटने के लिए 5 लाख डॉलर देने का ऐलान किया था। आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत ने संयुक्त राष्ट्र ट्रस्ट फंड फॉर काउंटर टेररिज्म (सीटीटीएफ) में 5 लाख डॉलर का योगदान दिया है। इसके साथ ही ट्रस्ट फंड में भारत का अब वित्तीय समर्थन 25.5 लाख डॉलर हो गया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने भारत आतंकवाद विरोधी संस्था के प्रयासों को बल देने के लिए सीसीटीएफ में 5 लाख डॉलर का स्वैच्छिक योगदान संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद निरोधक कार्यालय (यूएनओसीटी) के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोंकोव को सौंपा।

विदेश मंत्री ने किया था वादा

साल 2022 में अक्तूबर में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-रोधी समिति को संबोधित किया था। तब उन्होंने कहा था कि वैश्विक स्तर पर आंतकवाद का खतरा बढ़ता जा रहा है। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। साथ ही वादा किया था कि आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत संयुक्त राष्ट्र ट्रस्ट फंड फॉर काउंटर टेररिज्म में 5 लाख डॉलर का योगदान देंगे।

आतंकवादियों की आवाजाही को रोकने का मकसद

कंबोज ने कहा कि भारत यूएनओसीटी के वैश्विक कार्यक्रमों मुख्य रूप से आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला (सीएफटी) और आतंकवाद यात्रा कार्यक्रम (सीटीटीपी) का मुकाबला करने में मदद करेगा। इसका उद्देश्य पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका के सदस्य देशों की क्षमता को बढ़ाना है ताकि वे आतंकवाद के वित्तपोषण के महत्वपूर्ण मुद्दों से निपट सकें और आतंकवादियों की आवाजाही एवं यात्रा को रोक सकें।

भारत आतंकवाद से निपटने के लिए तैयार

रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत आतंकवाद के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सदस्य देशों की क्षमता निर्माण में यूएनओसीटी द्वारा किए गए जनादेश और कार्यों को बहुत महत्व देता है। पांच लाख डॉलर का योगदान वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में बहुपक्षीय प्रयासों का समर्थन करने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

भारतीयों को रूस-यूक्रेन जंग में भेजने वाले

4 आरोपी गिरफ्तार, 180 भारतीयों को वापस लाने की कोशिश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीयों को धोखे से रूस-यूक्रेन जंग में भेजने के मामले में सीबीआई ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से तीन लोग भारत के हैं, जबकि एक रूस के रक्षा मंत्रालय में काम करने वाला ट्रांसलेटर है। इन्हें 24 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, इसकी जानकारी अब सामने आई है।

दुबई से रूस तक फैला नेटवर्क

सीबीआई ने बताया कि रूसी ट्रांसलेटर इस नेटवर्क का अहम हिस्सा था। वह भारतीयों को रूसी आर्मी में भर्ती करने का काम करता था। वहीं एंथनी दुबई में फैजल बाबा और रूस में मौजूद अपने दूसरे साथियों के साथ मिलकर भारतीयों के लिए वीजा और प्लेन टिकट करवाने का काम करता था। अरुण और येसूदास लोकल एजेंट्स थे। वे लोगों को रूस में नौकरी और सैलरी का झांसा देते थे। उन्होंने कुछ प्राइवेट वीजा कंसल्टेंसी फर्म और एजेंट्स के खिलाफ मानव तस्करी के मामले में केस दर्ज किया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)